आषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमी-दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-353 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 जून 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

### मुख्यमंत्री निवास पर पहली बार गौशाला सम्मेलन

## 90 करोड़ अनुदान की सौगात गौपालकों से मुखातिब सीएम

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री निवास पर आज प्रदेश स्तरीय गौशाला सम्मेलन में मुख्यमंत्री प्रदेश के गौपालकों एवं गौशाला संचालकों से मुखातिब हैं। प्रदेश सरकार एमपी में पंजीकृत गौशालाओं में गोवंश के उचित व्यवस्थापन के लिए आर्थिक अनुदान को 20 रुपये प्रति गोवंश, प्रति दिन से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गोवंश, प्रति दिन करने वाली है। इसके अनुसार, गौशालाओं में पालन किए जा रहे गोवंश के लिए अप्रैल और मई की अनुदान राशि 90 करोड़ रुपये की किश्त सम्मेलन में जारी की जा रही है। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री लखन पटेल भी मौजूद हैं। सम्मेलन में प्रदेश के समस्त जिलों से शासकीय एवं अशासकीय गौ-शाला संचालक एवं प्रतिनिधि शामिल है। इस सम्मेलन में आचार्य विद्यासागर जीव दया गोसेवा सम्मान योजना के अंतर्गत चयनित गौशालाओं एवं संस्थाओं को गोसेवा पुरस्कार दिए जायेंगे। प्रथम पुरस्कार पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार तीन लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार दो लाख रुपये और सांत्वना पुरस्कार 50-50 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। गोसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार

20 हजार रुपये का दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मप्र में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कामधेनु योजना शुरू की गई है। इसमें डेयरी व्यवसाय के लिए 25 दुधारू पशुओं से लेकर 200 दुधारू पशुओं तक की योजनाएं स्वीकृत हो सकेंगी। मुख्यमंत्री इस योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित करेंगे। सम्मेलन में नए गौशालाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र और एमपी गौसंवर्धन बोर्ड एवं दयोदय महासंघ के सहयोग से हितग्राहियों को ट्रैक्टर, ट्राली वितरण भी किया जाएगा। सम्मेलन में 'पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश के बढ़ते कदम' विषय पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी होगा.

### इजरायल के बीर्शेबा पर बड़ा हमला, अमेरिका बड़ी चिंता में

## ईरान का न्यूक्लियर मेटैरियल हमलों के बाद भी सुरक्षित, बना सकता है बम

**तेलअवीव/ तेहरान, एजेंसी**

जंग के आठवें दिन आज ईरान और इजराइल फिर एकदूसरे पर जबर्दस्त तरीकों से हमलावर हैं। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है और मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। कई लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरे दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। उधर ईरान के खोंडब न्यूक्लियर रिएक्टर पर आज ईजरायल ने हमला किया। पहले इजराइल ने अराक न्यूक्लियर रिएक्टर पर भी हमला किया था। इन दोनों जगहों पर हैवी वॉटर रिएक्टर हैं, जो कि प्लूटोनियम बनाने के काम आता है। इजराइली फाइटर जेट्स ने तड़के ईरान की राजधानी तेहरान पर भी एयर स्ट्राइक की। इसके बाद एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया गया।

वहीं, ईरान ने इजराइल के %चैनल-14% को पीएम नेतन्याहू का माउथ पीस बताते हुए इसके ऑफिस पर हमले की धमकी दी है। अब तक लड़ाई में इजराइल के 24 लोग मारे गए हैं, वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 639 हो चुका है।

उधर न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है।

### ईरान ने परमाणु मेटैरियल पहले ही हटा लिया

इधर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के पूर्व कमांडर मोहसिन रेजाई ने कहा है कि इजरायल भले ही हमारे परमाणु ठिकानों पर हमले का दावा कर रहा है, लेकिन हमारे परमाणु मैटेरियल सुरक्षित स्थानों पर हैं। सभी इनरिच परमाणु सामग्री को न सिर्फ सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है, बल्कि ये न्यूक्लियर मैटेरियल इजरायली हमले में सुरक्षित हैं। रेजाई वहीं जनरल हैं जिन्होंने दावा किया था कि अगर इजरायल कभी भी ईरान पर परमाणु हमला करता है तो पाकिस्तान ने हमसे कहा है कि वो भी इजरायल पर परमाणु हथियारों से हमला कर देगा। ज्ञात हो कि परमाणु न्यूक्लियर मैटेरियल का मतलब यूरेनियम से है। यूरेनियम एक विखंडनीय पदार्थ है, इससे विशाल मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है, यही ऊर्जा परमाणु बम की विस्फोटक शक्ति है।

### आज 7 जिलों में पांच इंच बारिश का अलर्ट

## मप्र समेत 6 राज्यों में मानसून का जोर, नीमच में वाहन बहे

**भोपाल/ बडवानी दोपहर मेट्रो**

मानसून ने दो दिन में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में जोरदार एंट्री लेकर तरबतर कर दिया है। भारी बारिश के चलते गुजरात के अहमदाबाद, वापी और राजकोट में सड़क, घरों और दुकानों में पानी भर गया। सावरकुंडला, राजुला में स्थानीय नदियां उफान पर आ गई हैं। मप्र में आज भी कई जिले भीग रहे हैं। नीमच में तो नदी-नाले उफान पर हैं और कार-बाइक तक बह गईं। मौसम विभाग ने अशोकनगर, दमोह, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा और मऊगंज में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। यहां 24 घंटे में 2.5 से 4.5 इंच तक बारिश होने का अनुमान है। जबकि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के बाकी जिलों में गरज-चमक, आंधी और बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिन तक पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर बना रहेगा।

उधर उत्तर प्रदेश के लखनऊ-सीतापुर में पूरी रात रुक-रुककर बारिश हुई। अमेठी में इतनी बारिश हुई कि एसपी ऑफिस और गौरीगंज कोतवाली में पानी भर गया। वहीं, बिजली गिरने से 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई। हालांकि मानसून की एंट्री के बाद भी राजस्थान के कुछ इलाकों में गर्मी है। जैसलमेर सबसे गर्म है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर समेत घाटी के कई इलाकों में भी तपिश है। आज पूर्वी उप्र छत्तीसगढ़ में भी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

### ब्लैक बॉक्स अभी भारत के ही 'कब्जे' में रहेगा

**नई दिल्ली।** अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए अभी विदेश नहीं भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर बयान जारी किया है। केंद्र ने कहा कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स को कहां भेजा जाएगा, इसका फैसला एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा। यह फैसला सभी तकनीकी, सुरक्षा और गोपनीय पहलुओं को ध्यान में रखकर लिया जाएगा गृह सचिव के नेतृत्व में हाई लेवल कमेटी भी हादसे की जांच कर रही है, जो 3 माह में रिपोर्ट देगी।

### सऊदी प्रिंस ने निभाई भारत-पाक तनाव घटाने में भूमिका

## ब्रदर अगर आप कहें तो मैं जयशंकर से बात करू... डार का नया खुलासा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

पिछले महीने जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के मिसाइल पाकिस्तानी एयरबेस को निशाना बना रहे थे तब सऊदी अरब ने पाकिस्तान के कहने पर भारत को मनाने की खूब कोशिश की थी। यह दावा पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने खुद एक इंटरव्यू के दौरान किया है। डार ने माना कि हम भारत को जवाब देने की कोशिश कर ही रहे थे कि इससे पहले इंडिया ने नूर खान एयरबेस और शोरकोट एयरबेस पर हमला कर दिया। मतलब ये कि भारत ने 0पाकिस्तान को सोचने का मौका ही नहीं दिया। इससे पाकिस्तान का शासन-प्रशासन अचंभित था।

डार ने कहा कि, भारत के हमले के

बाद प्रधानमंत्री ने आर्म्ड फोर्सेज को जवाबी एक्शन के लिए अधिकृत कर दिया, डिटेल तय हो गई कि हमें क्या रोल आउट करना है, और हमने चार बजे के बाद शुरू किया, लेकिन मैं बदकिस्मती कहूंगा कि इंडिया ने ढाई बजे दोनों एयर बेस पर फिर अटैक किया। सऊदी अरब के रोल पर डार ने कहा कि, इस हमले के 45 मिनट बाद ही मुझे सऊदी प्रिंस फैसल साहब का फोन आया और उन्होंने मुझे कहा कि ब्रदर मुझे समझ में आ रहा है कि आपकी बात अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से हुई है और क्या मैं जयशंकर से बात करने के लिए अधिकृत हूं कि आप रुकने के लिए तैयार हैं अगर वो रुक जाएं।

डार ने आगे कहा कि उन्होंने सऊदी प्रिंस से कहा कि हां पाकिस्तान इसके लिए तैयार हैं और ब्रदर आप बात कर सकते हैं। फिर प्रिंस ने बाद में उन्हें फिर से फोन किया और कहा कि उन्होंने जयशंकर को ये बात कह दी है।

इससे पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश में सऊदी ने एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## आज से भारतीय क्रिकेट का 'शुभ'मन युग शुरू

**लंदन।** भारतीय टेस्ट टीम का आज शुक्रवार से 'शुभमन गिल युग' शुरू होने वाला है। शुभमन गिल के लिए लीड्स के हेडिंग्ले में होने वाला मुकाबले का पहला दिन बेहद अहम होगा। क्योंकि इस पहले दिन से मैच का एक तरह से टोन सेट हो जाएगा। मुकाबले में भारतीय टीम में नंबर 3, नंबर 6 के बल्लेबाज के लिये भी सस्पेंस नजर आ रहा है। एक संभावना यह भी है कि टीम इस अहम मुकाबले में दो स्पिनर वाला तुरुप का इक्का भी चल सकती है। वैसे रोहित, कोहली,

अश्विन के बाद भारत की यह पहली टेस्ट शुभमन गिल के कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। गिल अब तक 32 टेस्ट खेल चुके हैं और उनका औसत 35.05 है, जो उनकी प्रतिभा से थोड़ा कम है। वे 25 साल 285 दिन की उम्र में भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान भी हैं।

### पीएम मोदी फिर पहुंचे बिहार, चौथा दौरा

**सीवान।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार के सीवान में सभा को संबोधित कर रहे हैं। वे खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन करते हुए मंच तक पहुंचे। गाड़ी में उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा भी थे। भीड़ से पीएम पर फूल बरसाए गए। आज यहां प्रधानमंत्री प्रदेश के 51 हजार लोगों को आवास योजना की पहली किस्त सौंप रहे हैं।

## शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा चौथी बार टली, कई सवाल

**वाशिंगटन।** भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा एक बार फिर टलने से कई सवाल खडे हो रहे हैं। नासा ने एक्सिओम मिशन 4 के 22 जून को होने वाला लांच स्थगित कर दिया है। यह मिशन भारत, पोलैंड और हंगरी के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि यह इन देशों की 40 साल बाद पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान होगी। शुभांशु शुक्ला भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री होंगे। चालीस साल पहले राकेश शर्मा अंतरिक्ष गए थे। भारत ने इस मिशन के लिए 550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह भारत के गगनयान मिशन की तैयारियों का भी हिस्सा है। एक्सिओम मिशन 4 एक निजी अंतरिक्ष उड़ान है, जिसे एक्सिओम स्पेस, नासा और स्पेसएक्स मिलकर संचालित कर रहे हैं। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 14 दिन बिताएंगे। मिशन में भारत के शुभांशु शुक्ला पायलट की भूमिका निभाएंगे।

**मेट्रो एंकर** राजा हत्याकांड की जांच में नया मोड़

## सोनम के साथ साजिश में बचपन की सहेली भी शामिल !

**शिलांग/ इंदौर, एजेंसी**

इदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में आरोपी सोनम जिस टैक्सी से इंदौर से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पहुंची थी, उसके ड्राइवर तक पुलिस पहुंच गई है। शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम ने टैक्सी ड्राइवर से एक घंटे तक पूछताछ की है। इंदौर के क्राइम ब्रांच थाने में सोनम के यहां काम करने वाले तीन कर्मचारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। इनमें दो युवतियां शामिल हैं। हालांकि सोनम की उस

सहेली की तलाश है जो उसकी राजदार हो सकती है। यह आशंका खुद सोनम के भाई ने जताई है।

गौरतलब है कि राजा की हत्या के पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग पुलिस ने कोर्ट में पेशकर दो की दो और दिन की रिमांड ली है। बाकी तीन आरोपियों- विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इधर शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम 17 जून से इंदौर में है। इस दौरान दस से ज्यादा लोगों से सोनम के बारे में जानकारी निकाली है। पहले दो दिन तो टीम अलग-अलग स्पॉट पर गई, जबकि तीसरे दिन क्राइम ब्रांच थाने में बैठकर सोनम के बारे में जानकारी जुटाई। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में नया मोड़ सामने आया है। राजा के छोटे भाई विपिन रघुवंशी ने अब सोनम की बचपन की दोस्त अलका पर भी संदेह जताया है। उनका कहना है कि अलका इस पूरी साजिश में शामिल हो सकती है। फिलहाल अलका घर पर नहीं है और उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। विपिन ने फिर एक बार सोनम के नार्को टेस्ट की मांग दोहराई। उनका कहना है कि सोनम अभी भी कई बातें छिपा रही है। नार्को टेस्ट से मामले में कई नई जानकारियां सामने आ सकती हैं।

### वंदेभारत में यात्री की पिटाई पर रावत का पोस्ट

**भोपाल।** नई दिल्ली से भोपाल आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के एक्जीक्यूटिव कोच में सवार एक यात्री के साथ झांसी

रेलवे स्टेशन पर आधा दर्जन लोगों द्वारा मारपीट के मामले में आरोप यूपी के बबीना से भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर लगा है। वहीं इसी ट्रेन में सफर कर रहे भाजपा नेता व पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने पोस्ट किया है कि -वंदे भारत जैसी ट्रेन में ये स्थिति है तो आम ट्रेनों में यात्रियों का क्या हाल होगा? इस तरह की घटनाएं यात्रियों को भयभीत करने का काम करती है। इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।' उल्लेखनीय है कि विधायक राजीव सिंह वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच E-2 में पत्नी और बेटे के साथ दिल्ली से सवार हुए थे।

### उपभोक्ता फोरम ने विमान कंपनी व ट्रेवल एजेंसी को दिए अदायगी के निर्देश ?

# फ्लाइट हुई कैंसिल, यात्री को नहीं दी टैक्सी अब देंगे जुर्माना

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

फ्लाइट कैंसिल करने के बाद यात्री को घर तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था नहीं करना अब इंडिगो एयरलाइंस को भारी पड़ा है। भोपाल जिला उपभोक्ता फोरम ने एयरलाइंस पर 17,500 रुपए का हर्जाना लगाया है साथ ही, मेक माई ट्रिप पर भी 5 हजार रुपए का जुर्माना ठोका गया है, जिसने रिफंड में से सेवा शुल्क काट लिया था। यह मामला भोपाल के आशुतोष शुक्ला का है। जो उपभोक्ता फोरम में पहुंचे थे। उनकी ओर से सीनियर एडवोकेट दीपेश जोशी ने पैरवी की। जानकारी के मताबिक आशुतोष ने 25 फरवरी को भोपाल से रायपुर और वापसी में 29 फरवरी को रायपुर से भोपाल की टिकट इंडिगो एयरलाइंस से बुक कराई थी। मगर फ्लाइट की तकनीकी खराबी, फिर कैंसिलेशन रायपुर से भोपाल लौटते समय तकनीकी खराबी के कारण रास्ते से ही फ्लाइट वापस रायपुर एयरपोर्ट लौटा दी गई और बाद में उसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद इंडिगो ने यात्रियों को अगली सुबह रायपुर से इंदौर की फ्लाइट देने का विकल्प दिया, फिर इंदौर एयरपोर्ट से टैक्सी के माध्यम से भोपाल तक छोड़ने की बात कही गई। आशुतोष समेत 11 यात्रियों ने यह विकल्प चुना।

## कंपनियों के विरुद्ध आदेश पारित

फोरम ने इस मामले में दोनों कंपनियों को दोषी पाया। इंडिगो एयरलाइंस को आदेश दिया गया कि वह आशुतोष को टैक्सी किराया 4500 रुपए लौटाए, सेवा में कमी के लिए 10,000 रुपए और वाद व्यय के तौर पर 3,000 रुपए अदा करे। वहीं, मेक माई ट्रिप को अनुचित व्यापार आचरण का दोषी मानते हुए 5,000 रुपए का हर्जाना देने का आदेश दिया गया। बताते हैं कि फोरम के समक्ष आशुतोष शुक्ला ने अपना कन्फर्म टिकट, टैक्सी का बिल, इंडिगो को भेजा गया ईमेल और मेक माई ट्रिप का टैक्स इनवॉइस पेश किया था। इन सभी साक्ष्यों के आधार पर फोरम ने उपभोक्ता को राहत प्रदान करते हुए कंपनियों के विरुद्ध यह आदेश पारित किया। इस मामले में इंदौर एयरपोर्ट पहुंचने पर बाकी 9 यात्रियों को टैक्सी सुविधा दी गई, लेकिन आशुतोष और उनकी बेटी को यह सुविधा नहीं दी गई। मजबूरी में उन्होंने 4500 रुपए किराए पर प्राइवेट टैक्सी से भोपाल आना पड़ा।

### ई रिक्शा, फुटपाथों पर अतिक्रमण, कंडम वाहनों को लेकर अफसरों से जताई नाराजगी

# शायद अब सुधर जाएं हालात, क्योंकि सांसद हैं अव्यवस्थाओं पर सख्त नाराज !

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजधानी की बदहाल हो रही ट्रैफिक व्यवस्था और अफसरों के लापरवाह रवैये के सुधरने के आसार फिर नजर आ रहे हैं। दरअसल, सांसद आलोक शर्मा ने अब यह हालात सुधारने और शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मुहिम शुरू की है। सबसे पहले सड़कों पर बाधा बन रहे ई रिक्शा को नियंत्रित करने की कोशिश शुरू हुई है। हालांकि बीते तीन महीने से पुलिस और प्रशासन इसके लिये कवायद के दावे कर रहे थे लेकिन हालात जस के तस ही रहे थे। बताया जाता है कि हाल में सांसद शर्मा ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र और नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के साथ बैठक में साफ कर दिया है कि ई-रिक्शा संचालन की पॉलिसी नहीं होने की वजह से सड़कों पर जगह-जगह ई-रिक्शा खड़े हो जाते हैं। इनकी स्पीड धीमी होने की वजह से गाड़ियां नहीं निकल पाती है और सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है। खासतौर पर शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों को समय पर एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पहुंचने में भी दिक्कत होती है। इसलिए ई-रिक्शा संचालन के लिए पॉलिसी तत्काल तैयार की जाए। इसके अलावा सड़कों पर खड़े कंडम वाहनों को हटाने को लेकर भी तय किया गया कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में ट्रेंचिंग यार्ड बनकर कंडम वाहनों को सड़क से हटाएं। इसके लिए आज 20 जून से 15 दिन का अभियान चलाया जाएगा।

## नालियों के ऊपर भी कर लिया अतिक्रमण

इसके अलावा फुटपाथ पर सब्जी, फल के ठेले और अन्य तरह के अतिक्रमण लोगों ने कर लिए हैं। यहां तक कि नगर निगम द्वारा बनाई गई नालियों के ऊपर भी अतिक्रमण कर लिया गया है। इन्हें हटाने के लिए भी कलेक्टर ने सहमति दी है। इसके लिये अतिक्रमण दस्ता गठित किया जाएगा। जिसका प्रभारी एडीएम को बनाया जाएगा। पुलिस के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर, अथवा डिप्टी कमिश्नर, संबंधित क्षेत्र के एसडीएम और पुलिस के एसीपी, थाना प्रभारी अतिक्रमण दस्ता में शामिल रहेंगे। इसके साथ ही दस्ते में मोबाइल कोर्ट और एक मजिस्ट्रेट भी शामिल होंगे। इसके लिए पॉलिसी तैयार की जा रही है।

### लेफ्ट टर्न क्लियर होंगे !

बताया जाता है कि शहर के प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न की समस्या सुधारने के लिए दो रोटरियां तुरंत हटाने का भी निर्णय लिया गया है। इनमें नेहरू नगर चौराहा और साढ़े दस नंबर की रोटरी शामिल है। आने वाले समय में इसका पूरा प्लान बनाकर भोपाल शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न की समस्या को हल किया जाएगा। इसके लिए पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारियों को प्लान बनाने के लिए निर्देशित किया गया है। हालांकि ज्योति टाकीज के सामने लेफ्ट टर्न बरसों से क्लियर नहीं हो सका है, जबकि यहां दस मीटर दूरी पर पुलिस चौकी है और यहां बैठे पुलिसकर्मी इस समस्या को देखते रहते हैं।

### साधु वासवानी स्कूल में शिविर शुरू

# निरोगी रहना है तो नियमित योग करते रहिए

**हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो**

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर साधु वासवानी स्कूल में तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन सूर्या फाउंडेशन और म.प्र. प्राकृतिक चिकित्सा परिषद श्री कृष्ण योग आश्रम, कैलाश नगर के संयुक्त तत्वावधान में नंदवानी ऑडिटोरियम में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कन्हैयालाल रंगवानी और योग प्रशिक्षक हेमंत सुकरिकर ने किया। श्री रंगवानी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, पहला सुख निरोगी काया।

उन्होंने योग और नेचुरोपैथी को स्वास्थ्य के दो महत्वपूर्ण पंख बताया और कहा कि नेचुरोपैथी के दो मूल मंत्र भोजन सुधार और उपचार हैं। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने अपने संबोधन में कहा कि योग हजारों साल पुरानी भारतीय परंपरा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बाबा रामदेव ने विश्व स्तर पर बढ़ावा दिया है। उन्होंने योग को स्वास्थ्य और गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि योग की उत्पत्ति भारत में हुई और अब यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुका है।

योग प्रशिक्षक हेमंत सुकरिकर ने बताया कि योग के नियमित अभ्यास से कई बीमारियों से बचा जा सकता है और यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट योग करने की सलाह दी, जिससे वे दिन भर स्फूर्तिदायक महसूस करेंगे और उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। सुकरिकर ने ग्रीवा संचालन, वृक्षासन, ताड़ासन, सेतुबंधासन और हस्तपादासन जैसे विभिन्न आसनों का प्रशिक्षण दिया, जिसे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सीखा और प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया। इस त्रिदिवसीय शिविर का समापन 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर किया जाएगा।

इस अवसर पर दीपा आहूजा, वर्षा खैराजानी, लता लालवानी, हर्षा मोरंदानी सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन भावना कलवानी ने किया, जबकि प्राचार्या सुतापा जयसवाल ने आए हुए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

# अब तक दो लाख स्मार्ट बिजली मीटर लगे, दावा- उपभोक्ता को हुई सुविधा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का दावा है कि कंपनी कार्यक्षेत्र में केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम योजना के अंतर्गत लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर बिजली उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। कंपनी द्वारा जिन उपभोक्ताओं के परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं उन उपभोक्ताओं ने ''स्मार्ट एमपीसीजेड'' मोबाइल एप के जरिए रियल-टाइम डेटा से अपनी दैनिक खपत को जरूरत के अनुसार नियंत्रित कर काफी हद तक बिजली बिल में कमी की है। इसके साथ ही त्रुटिरहित रीडिंग और सटीक रीडिंग बिना मानवीय हस्तक्षेप के दूरसंचार प्रणाली से हो रही है जिससे निर्धारित तिथि को सही रीडिंग का बिल मोबाइल पर मिल रहा है।

कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बिजली की खपत की हर पंद्रह मिनट में जानकारी मिल रही है। इससे अंदाजा लगाना आसान हो गया कि उपभोक्ता किस समय कितनी बिजली की खपत करते हैं। जिससे एक ओर स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिजली की बचत करने में आसानी हो रही है वहीं दूसरी ओर रीडिंग में गलती होने की गुंजाइश न होने से बिजली बिल में पारदर्शिता आई है। जहां-जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है।

गौरतलब है कि कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक सवा दो लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक सवा दो लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं।

# बुर्के में योग: बदली सोच की बानगी

**हिरदाराम नगर।** 21 जून को मनाए जाने वाले विश्व योग दिवस से पूर्व, गुरुनानक मंडल द्वारा आयोजित योग प्रशिक्षण शिविर में मुस्लिम महिलाओं ने बुर्के में बढ़-चढ़कर योग किया। ईद गाह हिल्स स्थित बाजपेयी नगर प्रांगण में हुए इस कार्यक्रम में 50 से अधिक मुस्लिम बहनों की भागीदारी उनके स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और सामाजिक सोच में आ रहे बदलाव को दर्शाती है। शिविर में शामिल मुस्लिम महिलाओं ने योग के महत्व को समझा और पूरे जोश के साथ आसनों का अभ्यास किया। बद्दु निशा खान ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, यह एक शानदार शुरुआत है। योग से हमारा शरीर स्वस्थ और स्फूर्तिवान रहता है।

# सेवा सदन को अहेलिया के नेत्रों का दान

**हिरदाराम नगर।** बरखेड़ी, भोपाल निवासी रमेश अहेलिया (प्रजापति) का देहावसान हो गया। दिवंगत

के पुत्र अनिल अहेलिया (एडवोकेट) ने अपने पिताजी की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2235 दृष्टिबाधित लोगों को नि:शुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

**मेट्रो एंकर** मध्यप्रदेश में निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे

# 27 जून को रतलाम में होगा एमपी राइज-2025

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार मानते हुए 27 जून को अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस पर रतलाम के शहीद स्मारक मैदान में 'रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव' - ÷एमपी राइज-2025'' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रदेश में औद्योगिक निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार को एक साथ संवर्धित करने का समग्र मंच प्रस्तुत करेगा। इस समेकित पहल से मध्यप्रदेश में निवेश, कौशल विकास और स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे और राज्य की आर्थिक प्रगति को स्थाई व समावेशी दिशा मिलेगी। प्रदेश में औद्योगिक बुनियादी ढाँचे के विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। तीन नए हवाई अड्डों के निर्माण के साथ मध्यप्रदेश अब आठ परिचालन एयरपोर्ट्स वाला राज्य बन गया है। इंदौर मेट्रो सेवा ने यातायात के स्वरूप को बदल दिया है, वहां भोपाल मेट्रो के शीघ्र प्रारंभ से राजधानी में सार्वजनिक परिवहन और भी सुदृढ़ होगा। फ्लायओवर, औद्योगिक कॉरिडोर तथा राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के विकास से कनेक्टिविटी व्यापक रूप से सुदृढ़ हुई है, जिससे उद्योगों और निवेशकों को बेहतर सुविधा और त्वरित पहुंच सुनिश्चित हो सकी है।

एमपी राइज-2025 कॉन्क्लेव में औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन एवं औद्योगिक पार्कों तथा कौशल

प्रशिक्षण केंद्रों का लोकार्पण होगा। साथ ही विभागों और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एमओयू के माध्यम से निवेश प्रस्तावों को तेजी से कार्यान्वित करने की दिशा में प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। इस अवसर पर चयनित युवाओं को जॉब-ऑफर लेटर प्रदान किए जाएंगे तथा महिला उद्यमियों और ग्रामीण स्वरोजगार समूहों को प्रारंभिक पूंजी सहायता वितरित की जाएगी, जिससे वे अपनी व्यवसायिक योजना को तुरंत अमल में ला सकें। कॉन्क्लेव में नवीनतम तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी और हितग्राहियों के साथ संवाद किया जाएगा। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट एवं लद्दू टैग वाले स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी में प्रत्येक जिले के प्रतिष्ठित उत्पाद का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय नवाचार और गुणवत्ता को व्यापक पहचान मिलेगी। वन-टू-वन सत्रों में प्राइवेट सेक्टर, तकनीकी संस्थान एवं वित्तीय समूह मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निवेश व सहयोग के नए अवसरों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। रतलाम के बाद एमपी राइज-2025 कॉन्क्लेव छिंदवाड़ा, मुरैना और सतना में भी होगा। कॉन्क्लेव से प्रदेश के प्रत्येक जिले को उसकी विशिष्ट औद्योगिक पहचान के अनुरूप विकास के समान अवसर मिलेंगे।

### – अंदर से गुजर रही रेल लाइनों के किनारे अभी भी वन्य प्राणियों की सुरक्षा से खिलवाड़

# रातापानी टाइगर रिजर्व: कॉरिडोर होगा साउंड प्रूफ नहीं, रिजर्व का नाम भी पुराना

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

**रातापानी को टाइगर रिजर्व से घोषित कर दिया, लेकिन इससे जुड़े काम अब तक पूरे नहीं किए। सीएम ने इसका नाम पुरातत्वविद डॉ. विष्णु वाकणकर के नाम करने की घोषणा की थी, चार महीने बीत चुके हैं लेकिन अब तक नया नाम रिकार्ड में नहीं आया। रिजर्व के अंदर कॉरिडोर चालू हो चुका है, रोजाना हजारों वाहन गुजर रहे हैं, इनकी आवाज बाघ, तेंदुए व दूसरे वन्यप्राणियों तक न पहुंचे, इसके लिए कॉरिडोर को साउंड प्रूफ बनाया जा रहा है, लेकिन यह काम भी जगह—जगह से अधूरा है।**

उधर रिजर्व के अंदर से गुजरने वाली रेल लाइनों के दोनों किनारों को अभी भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया, जिसकी वजह से कभी भी बाघ, तेंदुए समेत दूसरे वन्य प्राणियों की जान जाने का खतरा है।

रातापानी प्रदेश का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व है जिसके अंदर से रेल लाइन गुजरती है। इसी के अंदर से भोपाल–नागपुर फोरलेन भी जाता है। रिजर्व का एक हिस्सा राजधानी भोपाल से सटा है। ये तीनों ही कारण ऐसे है जिनकी वजह से रिजर्व के अंदर रहने वाले बाघ, तेंदुए व दूसरे वन्यप्राणियों को शोरगुल का सामना करना पड़ता है, जो कई बार इनकी जान पर बन आता है। इस बात का विशेषज्ञों को अच्छे से अहसास है, कई बार वन्यप्राणियों की जान भी इसी शोरगुल के कारण विचलित होने के कारण जा चुकी है। शोरगुल के असर को कम से कम किया जा सके, इसके लिए अंदर से गुजरने वाले सड़क ओवरब्रिज कॉरिडोर को साउंड प्रूफ के लिहाज से डिजाइन किया है, उस अनुरूप दोनों दीवारों को तैयार भी किया जा रहा है लेकिन दो साल से यह काम अधूरा है। रिजर्व के अंदर से गुजरने वाली इन रेल लाइन को वन्यप्राणी के लिहाज से डिजाइन किया, दर्जनों ब्रिज, पुल–पुलियाएं बनाए। लेकिन दोनों किनारों को कवर्ड नहीं किया। जबकि पहले से मौजूद दो पुरानी लाइनों के किनारे भी खुले है। इनके नीचे पुल–पुलिया की पहले से कमी है।

## 90 बाघ, हजारों तेंदुए

**रातापानी टाइगर रिजर्व के अंदर हजारों वन्यप्राणी है। इनमें बाघों की संख्या 90 से अधिक बताई जा रही है जबकि तेंदुए हजार से कम नहीं है। भालू, हिरण, चीतल, सांभर, नीलगाय जैसे दूसरे वन्यप्राणियों की संख्या भी अच्छी खासी है। इनमें से दर्जनों वन्यप्राणियों की तो रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेनों की चपेट में आने से मौतें हो चुकी हैं। इनमें 10 से अधिक बाघ और इतने ही तेंदुए शामिल है।**

## एनएचएआई व रेलवे की जिम्मेदारी

रोड ब्रिज कॉरिडोर को पूरी तरह साउंड प्रूफ बनाने का जिम्मा एनएचएआई के पास है, कॉरिडोर भी उसी का है। जबकि रेल लाइनों को सुरक्षित करने का जिम्मा रेलवे का है। दोनों ही मामलों में वन विभाग के अफसरों का कहना है कि यदि कहीं कोई कमी है तो उसे संबंधित एजेंसियों व विभागों से ठीक कराया जाएगा, वन्यप्राणियों की सुरक्षा से किसी तरह कोई खिलवाड़ नहीं होने देंगे। यदि समझाइश के बावजूद सुधार नहीं किया तो कार्रवाई के दायरे में लेंगे।

### 52 राज्य स्तरीय, 427 जिला स्तरीय प्रशिक्षकों सहित प्रत्येक स्कूल के 2 शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

# मप्र में 9306 स्कूल उमंग कार्यक्रम से जुड़े, 21 लाख विद्यार्थी को मिला लाभ

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 21 लाख विद्यार्थियों को उमंग कार्यक्रम से फायदा मिला है। प्रदेश में उमंग कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संयुक्त रूप से संचालित कर रहे हैं। उमंग कार्यक्रम शासकीय हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल में अध्ययनरत किशोर और किशोरियों के जीवन-कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

उमंग कार्यक्रम प्रदेश के 9 हजार 306 शासकीय हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में चल रहा है। इस कार्यक्रम से किशोर-किशोरियों को सामाजिक कुप्रथा बाल विवाह, जेण्डर असमानता, दहेज जैसी बुराइयों के प्रति सजग और संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं जैसे आयरन फोलिक टेबलेट, सेनेटरी पैड, स्वास्थ्य जांच, स्वच्छ एवं सुरक्षित प्रबंधन तकनीक की जानकारी के साथ विद्यालयों को तम्बाखू मुक्त बनाना है। उमंग कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिये 52 राज्य स्तरीय, 427 जिला स्तरीय प्रशिक्षकों को और जिला स्तर पर प्रत्येक स्कूल से 2 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाया जा चुका है।

## पृथक-पृथक उमंग मॉड्यूल का निर्माण

कार्यक्रम में कक्षा-9 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिये उनकी आयु अनुरूप पृथक-पृथक उमंग मॉड्यूल का निर्माण भी किया गया है। मॉड्यूल में यौन उत्पीड़न, कम उम्र में विवाह, घरेलू हिंसा के साथ साइबर सेफ्टी जैसे गंभीर मुद्दों को शामिल किया गया है। उमंग कार्यक्रम के उज्ज्वल मॉड्यूल के अंतर्गत छात्रों में बालिकाओं और महिलाओं के प्रति सम्मान विकसित करने के उद्देश्य से यूएनएफपीए के सहयोग से पोस्टर निर्मित किये गये हैं। यह पोस्टर नारी के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने में बहुत ही सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इन मुद्दों को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिये जेण्डर संवेदीकरण पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल को भी तैयार किया गया है।

### पिछले वर्ष दोनों चरणों में कुल 3 लाख 50 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था

# 5 लाख विद्यार्थियों ने कॉलेजों में प्रवेश के लिए कराए पंजीयन, साल दो लाख बढ़ी संख्या

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। अब तक कुल 5 लाख 15 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए पंजीयन कर लिया है। पिछले वर्ष दोनों चरणों में कुल 3 लाख 50 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। पिछले वर्ष की तुलना में इस सत्र में लगभग 2 लाख अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, प्रक्रिया के तहत प्रथम चरण में अब तक लगभग 1 लाख 33 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। इनमें एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 14 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। स्नातक के लिए लगभग 90 हजार एवं स्नातकोत्तर के लिए लगभग 30 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। कुल 1 लाख 20 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में अपना प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत पिछले वर्ष सत्र 2024- 25 प्रथम चरण में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 96 हजार विद्यार्थियों एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 11 हजार, इस प्रकार कुल 1 लाख 7 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया था। पिछले वर्ष की तुलना में सभी पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण में प्रवेश संख्या में वृद्धि हुई है।

## दूसरे चरण में एक लाख पंजीयन

द्वितीय चरण के पंजीयन के लिए बुधवार अंतिम तिथि थी, पंजीयन के अंतिम दिन शाम 6 बजे तक लगभग एक लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन कर लिया है। इसमें स्नातक में लगभग 55 हजार, स्नातकोत्तर में 23 हजार, एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 20 हजार विद्यार्थियों ने द्वितीय चरण में पंजीयन कराया है।

### राज्य में फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शिक्षा, रोजगार सृजन के नए अवसरों को मिलेगा बढ़ावा

# पर्यटन -एसजीएसयू के बीच फिल्म प्रोडक्शन एमओयू

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश को फिल्म निर्माण और क्रिएटिव उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) और मप्र पर्यटन विभाग के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इस समझौते का उद्देश्य राज्य में फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शिक्षा, स्किल डवलपमेंट, और युवाओं के लिए रोजगार सृजन के नए अवसरों को बढ़ावा देना है। एमओयू के माध्यम से युवाओं को फिल्म निर्माण, स्क्रिप्ट राइटिंग, कैमरा ऑपरेशन, एडिटिंग, और प्रोडक्शन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे तेजी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्री में सफल करियर बना सकें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला, ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी की विशेष उपस्थिति रही। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी की ओर से कुलपति डॉ. विजय सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. सीतेश सिन्हा, विश्वरंग फाउंडेशन सीईओ विकास अवस्थी एवं अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस साझेदारी को और सशक्त बनाया। यह समझौता न केवल राज्य में रचनात्मक उद्योगों को गति देगा, बल्कि युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगा।

# बिजली कंपनियों में नई भर्ती के सफल युवाओं के 23 जून से दस्तावेज परीक्षण

**भोपाल।** मप्र ऊर्जा विभाग की पूर्व, पश्चिम एवं मध्य तीनों बिजली वितरण कंपनियों और पॉवर मैनेजमेंट कंपनी, ट्रांसमिशन कंपनी, जनरेशन कंपनी के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों के लिए सफल उम्मीदवारों के दस्तावेज परीक्षण 23 जून से होंगे। वर्तमान में कुल 1974 पदों पर सफल युवाओं को सूचना भेज दी गई हैं। इन सफल उम्मीद्वारों को उज्जैन, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर इत्यादि रीजनल मुख्यालयों एवं कंपनी मुख्यालयों पर 23 जून से 15 जुलाई तक दी गई तारीख पर दस्तावेज परीक्षण के लिए पहुंचना होगा। बिजली कंपनियों ने ऑन लाइन ली गई परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को निर्धारित रीजनल मुख्यालयों, कंपनी मुख्यालयों पर मूल दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित होने की अपील की है। दस्तावेजों के परीक्षण के बाद नियुक्ति पत्र एवं पदस्थी के बारे में कार्रवाई की जाना है।

# राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में घड़ियाल प्रजनन का सफल सीजन

**भोपाल।** राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य द्वारा घड़ियालों के संरक्षण में शानदार उपलब्धि हासिल की गयी है। इस वर्ष अभयारण्य में घड़ियाल प्रजनन का सफल सीजन रहा है। विभिन्न नेस्टिंग साइड पर बड़ी संख्या में मादा घड़ियालों ने घोंसले बनायें। इन घोंसलों से घड़ियाल शिशु को सुरक्षित निकालना प्रारंभ हो चुका है। अभी तक नंदी गाँव में 46 घोंसले, बरौली में 32, बाबू सिंह धेर में 20, डाग वसई में 16, रैड्डी में 7 और भरा में 5 घोंसलों में से घड़ियालों के बच्चों को निकाला जा चुका है। इसके अतिरिक्त अन्य स्थलों पर भी घोंसलों से बच्चे निकल रहे हैं। चम्बल की सहायक नदी कूनो में भी 12 घोंसलों से बच्चे निकल चुके हैं, जो घड़ियालों की बढ़ती उपस्थिति और सफल प्रजनन का संकेत है। निदेशक राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य के कुशल मार्गदर्शन और फील्ड में कार्यरत वनकर्मियों के अथक प्रयासों से यह सफलता मिली है। घड़ियाल प्रजनन स्थलों की पहचान, घोंसलों का चिन्हांकन और सुरक्षा की पूरी प्रक्रिया में फ्रंटलाइन स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वनकर्मियों ने घोंसलों को खोजकर उनके

**चम्बल क्षेत्र में घड़ियाल संरक्षण की दिशा में शानदार उपलब्धि**

### मैरिट में आने की स्थिति में आवंटन एवं महाविद्यालय में आमंत्रण न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्याधीन रहेगा

# फॉलन आउट हुए अतिथि विद्वानों को राहत, अब रिक्त पदों के विरुद्ध विकल्प प्रस्तुत करने की सुविधा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा विभाग में शासकीय महाविद्यालयों में नियमित पदस्थापना और स्थानांतरण से पदपूर्ति होने के फलस्वरूप फॉलन आउट होने वाले अतिथि विद्वानों को पोर्टल पर रिक्त पदों के विरूद्ध विकल्प प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। आयुक्त उच्च शिक्षा ने उक्त आदेश जारी किए हैं। ऐसे अतिथि विद्वान जो नियमित पदस्थापना/स्थानांतरण से पदपूर्ति होने के फलस्वरूप फॉलन आउट हुये है तथा संबंधित पदों पर कार्य करने के लिये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम 2018 एवं समय-समय पर

किये गये संशोधन पर उल्लेखित मापदण्डों के अनुरूप वांछित योग्यता धारक हैं, उनके लिए पोर्टल पर विकल्प प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध है।

उच्च न्यायालय द्वारा दो प्रकरणों में पारित अंतरिम निर्णय के पालन में नियमित पदस्थापना/स्थानांतरण से पदपूर्ति होने के फलस्वरूप फॉलन आउट हुए ऐसे अतिथि विद्वान जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संबंधी विनियम 2018 एवं समय-समय पर किये गये संशोधन पर उल्लेखित मापदण्डों के अनुरूप वांछित योग्यता धारक नहीं है, उनके लिए भी पोर्टल पर विकल्प प्रस्तुत करने की सुविधा उपलब्ध है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मैरिट में आने की स्थिति में महाविद्यालय का आवंटन एवं महाविद्यालय में आमंत्रण उपरोक्त न्यायालयीन प्रकरणों में पारित अंतिम निर्णय के अध्याधीन रहेगा।

## संपादकीय

# प्रदूषण से मुक्ति के ठोस उपाय नहीं

शहरों में प्रदूषण अब बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही है। बल्कि यहछोटे शहरों में भी साफ तौर पर देखी जाने लगी है। भारत में अब तक दिल्ली मुंबई कोलकाता जैसे कुछ बडे शहरों का नाम लिया जाता रहा है लेकिन अब बर्नीहाट-बीकानेर जैसे शहर भी हैं, जो आज प्रदूषण के मामले में सबसे ऊपर माना जाने लगे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पिछले दिनों जारी आंकड़ों के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आया है कि आज देश में मेघालय के बर्नीहाट की स्थिति सबसे खराब है, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 243 तक पहुंच गया। इस दौरान बर्नीहाट की हवा में प्रदूषण के महीन कण पीएम2.5 हावी थे। वहीं कुछ ही दिन पहले ग्रेटर नोएडा की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित मानी गई थी। बर्नीहाट की तरह ही देश में बीकानेर की हवा भी बार बार खराब हो रही है। मगर सवाल यह है कि बडे शहरों के प्रदूषण पर भी सरकारों ने सिवाए बातों और दावों के कुछ खास किया नहीं है। यह लापरवाही नहीं तो और क्या है कि देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली ने राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के तहत मिली राशि का एक तिहाई से भी कम खर्च किया है। ऐसे में यहां स्वच्छ वायु की उम्मीद कैसे की जा सकती है। अगर यहां के बाशिंदों को साफ हवा नहीं मिलती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? प्रदूषण और तापमान का जनजीवन पर संयुक्त प्रभाव वास्तव में चिंता का विषय है। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि गर्मी और प्रदूषण का एक साथ होना सुरक्षित प्राकृतिक हवा के अवसरों को सीमित कर देता है। सीईपीटी विश्वविद्यालय और जलवायु प्रौद्योगिकी कंपनी की इस अध्ययन रपट को गंभीरता लेना होगा। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में हर वर्ष लगभग 2,210 घंटे ऐसे होते हैं, जब तापमान 18 से 31 डिग्री के बीच रहता है। इस दौरान 1,951 घंटे ऐसे होते हैं, जब वायु गुणवत्ता खराब होती है। यानी 259 घंटे ही लोगों को साफ हवा मिल पाती है इसमें कोई दोराय नहीं कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का नागरिकों की सेहत पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। एक तरफ उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है, तो दूसरी ओर असहज तापमान के जोखिम से भी बचना है। कुछ शहरों की स्थिति दिल्ली से बेहतर जरूर हो सकती है, लेकिन भविष्य में वहां भी यही समस्या गहराने वाली है। लिहाजा, इन परिस्थितियों में जीने की आदत डालने के बजाय इस चुनौती का सामना करने के लिए कुछ नए उपाय करने होंगे। ऐसे सुझाव भी दिए जा रहे हैं कि घर इस तरह से बनाए जाएं, जहां ऊर्जा की बचत के साथ हवा का बेहतर प्रवाह हो। सेहत और सुकून के लिए अब जरूरी है कि शहरों और महानगरों में मौसम के अनुकूल नए भवन बनें और पुराने घरों में पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था हो। इससे स्वच्छ हवा अधिक मिल सकेगी। इस दिशा में गंभीरता सोचने का वक्त आ गया है। यदि बडे शहरों में अब भी मुस्तैदी दिखाकर प्रदूषण को नियंत्रित करने के कठोर प्रयास किये जाते हैं तो इसका संदेश छोटे मंझोले शहरों तक भी पहुंचेगा और न सिर्फ लोगो में जागरुकता आएगी बल्कि प्रशासन को भी जिम्मेदारी का अहसास होने लगेगा। यदि यह सब किया जाए तो कम से कम मौजूदा पीढी आने वाली पीढी के लिये बेहतर पर्यावरण छोडकर जा सकेगी।

# संघर्ष से उपजी चुनौतियों के बीच व्यापार घाटे की चिंता

■ डॉ. जयंतीलाल भंडारी

**ईरान-इस्राइल युद्ध और वैश्विक भू-राजनीतिक संकटों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे भारत का आयात बिल और व्यापार घाटा बढ़ने की आशंका है। चीन पर निर्भरता घटाने, सेवा निर्यात बढ़ाने और नए व्यापार समझौतों से भारत इस चुनौती का समाधान खोज सकता है।**

इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध से जहां दुनिया में तेल के दाम में पिछले मई माह की तुलना में तेजी है, वहीं इससे भारत के समक्ष व्यापार घाटे की चुनौती बढ़ गई है। साथ ही इससे रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका है। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का करीब 85 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में इस युद्ध के लंबा खिंचने और रूस-यूक्रेन संघर्ष के साथ-साथ लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि भारत के आयात बिल को बढ़ाते हुए व्यापार घाटे को और बढ़ा सकती है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत से कुल माल और सेवाओं का निर्यात 824 अरब डॉलर रहा है। जबकि भारत का कुल आयात 918 अरब डॉलर रहा। ऐसे में पिछले वर्ष व्यापार घाटा करीब 94 अरब डॉलर रहा है। इसके पूर्ववर्ती वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापार घाटा करीब 78 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के साथ वैश्विक व्यापार में कमी आने की आशंका से भारत का व्यापार घाटा इस वर्ष 2025-26 में और बढ़ सकता है।

मौजूदा हालात में भारत आयात बिल बढ़ने की चुनौती के मद्देनजर रणनीतिपूर्वक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की चुनौती को कम कर सकता है। भारत ने अमेरिका की रूस से कच्चा तेल न खरीदने संबंधी किसी चेतावनी पर ध्यान न देते हुए पिछले वर्ष 2024-25 में 50 अरब डॉलर मूल्य का रूसी कच्चा तेल खरीदा है। यह भारत के कच्चे तेल के कुल आयात बिल का करीब 35 फीसदी है। यूक्रेन के साथ युद्ध के कारण प्रतिबंध लगने के बाद रूस ने रियायती कीमतों पर अपना कच्चा तेल बेचना शुरू किया था। भारत ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपने कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़ाई। ऐसे में भारत रूस का सहारा मिलने से कच्चे तेल

की वैश्विक कीमतों के उछाल से बचते हुए व्यापार घाटे की चिंताओं से भी कुछ बच सकेगा। इतना ही नहीं, भारत ने सफलतापूर्वक अपने तेल आयात के स्रोतों का विस्तार कर लिया है और जरूरत के हिसाब से इन स्रोतों का उपयोग करके व्यापार घाटे में बढ़ोतरी रोकी जा सकेगी।निःसंदेह युद्ध की चुनौती के बीच चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित करना होगा। हाल ही प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वस्तुतः चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। ऐसे में भारत के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। साथ ही अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।

निश्चित रूप से सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) से निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके व्यापार घाटा कम कर सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं। ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उसके मद्देनजर सरकार को एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा। वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश से सेवा निर्यात बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है।

भारत को नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लानी होगी। भारत द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

**(साभार : लेखक अर्थशास्त्री हैं, यह उनके निजी विचार हैं)**

# कर्मयोग में जीवन जीने का एक मार्ग प्राप्त होता है

■ महेश अग्रवाल

कर्मयोग का अभ्यास मन को शुद्ध करने के लिए बहुत ही आवश्यक है। भक्तियोग, राजयोग, ज्ञानयोग भी योग के बहुत ही महत्वपूर्ण अभ्यास हैं, किन्तु यदि मन के मैल को कर्मयोग के अभ्यास के द्वारा धोकर शुद्ध नहीं किया गया, यदि संस्कारों को समूल नष्ट नहीं किया गया, यदि सांसारिक अनुभवों को समूल नष्ट नहीं किया तो आंतरिक अनुभूति को प्राप्त करने की विधि में तथा सांसारिक अनुभवों मे ये अवरोध उत्पन्न कर देंगे। यदि आपका मन अशुद्ध रहता है तो आपके अंदर अनेको मानसिक समस्याएँ पैदा हो जाएंगी। ये समस्याएँ आपके दैनिक जीवन में आत्मीय स्वजनों में आपके संबंधों के कारण उत्पन्न होता है एवं ये समस्याएं ही वे अशुद्धियाँ हैं जो आपके सांसारिक अनुभवों में अवरोध उत्पन्न करती है। इसी के कारण आपके पास लाखों-करोड़ों की निधि होते हुए भी आप उसका आनन्द नहीं ले सकते, आपके पास प्रत्येक वस्तु यथा अच्छी शिक्षा, महान् कलाकार बनने की क्षमता, अच्छा पारिवार इत्यादि होते हुए भी आप दुःखी रहते हैं। आपके दुःख का कारण क्या है? आप इसलिए दुःखी हैं कि आपका सामान्य जीवन व्यवस्थित नहीं है एवं वह कर्मयोग से संबंधित नहीं है। प्रत्येक कार्य, चाहे वह शरीर से अथवा मन से किया गया हो, कर्म कहलाता है। और हम सभी इसे करते हैं, किन्तु कर्मयोग कुछ अलग ही वस्तु है। हम कर्म क्यों करते है? कुछ व्यक्ति बच्चे उत्पन्न करना ही कर्म समझते हैं, कुछ लोग आनन्द मनाने को ही कर्म समझते हैं, परन्तु संन्यासी के लिए कार्य करने का उद्देश्य आत्म शुद्धि मात्र है।

जब आप कर्म करते हैं तो उन कर्मों के द्वारा आप अपने अन्तर की वृत्तियों को व्यक्त करते हैं, अपने संस्कारों को व्यक्त करते हैं। गीता के द्वितीय अध्याय मे बतलाया गया है कि हम जब कर्म करते हैं तो उनके साथ-ही-साथ कर्मफल का भी जन्म होता रहता है। इस तरह से उत्पन्न कर्मफल सर्वदा शुभ नहीं होता, मंगलकारी नहीं होता। आप अपने दैनिक जीवन में चाहे जो कर्म करें, पारिवार के लिए, समाज के लिए या देश के लिए, उसके साथ-ही-साथ प्रत्येक कर्म का एक फल भी उत्पन्न होता है% कर्म का फल सर्वदा मंगलकारी नहीं होता किन्तु सर्वदा अमंगलकारी भी नहीं होता। कर्मफल शुभ और अशुभ दोनों का मिश्रण होता है। ऐसा होने के कारण ही हमारे मन में सदैव अमंगल की ही आशंका बनी रहती है। आप इसे अपनी सूझ-बूझ से समझ भी सकते हैं अथवा नहीं भी समझ सकते हैं। उदाहरण के लिए जब आप एक बच्चे के पिता बनते हैं तो उस समय आप बहुत ही प्रसन्न होते हैं, किन्तु फिर दूसरा बच्चा पैदा होने की आशंका भी आपके मन में उत्पन्न होती है हाँलाकि उसे आप इस समय स्वीकार नहीं करते। आप सोचते हैं- शायद वह पैदा होते ही मर जाय। क्या वह सामान्य रूप से बड़ा हो

सकेगा? इत्यादि । इस प्रकार के विचार आपके मन में सदैव आते रहते है।

जीवन में हम चाहे जिस प्रकार का कार्य करें ओर इनका चाहे जो भी फल हमें प्राप्त हो, किन्तु इनके प्रति हमारे मन में सदैव एक प्रकार का भय बना रहता है। इस कारण ही मनुष्य का मन सर्वदा एक अज्ञात भय से पीड़ित रहता हैं। मनुष्य के इस अज्ञात भय को मनोवैज्ञानिक और योगी दोनों ही अच्छी तरह से जानते हैं। बहुधा आप यह नहीं जानते कि आपके मन की गहराई के अन्दर भय व्याप्त है, हालांकि प्रत्यक्ष रूप से अपने भय पर नियंत्रण प्राप्त करने के लिए आप यह कह कर अपने मन को ढाढस देते हैं कि मेरा यह भय अर्थहीन है, इससे कुछ नहीं होने वाला है। आप अच्छी तरह यह जानते हैं। यदि आपके मन में कुछ अमंगल होने की आशंका व्याप्त नहीं है, तो आप मंदिर क्यों जाते हैं? चर्च क्यों जाते हैं? आप किसी देवता को या किसी की मजार को अथवा किसी देववृक्ष को सन्तुष्ट करने क्यो जाते हैं? इसलिए कि आपके मन की गहराई में भय मौजूद है और आप इसे अच्छी तरह जानते हैं। इसलिए आप इन्हें सन्तुष्ट करने जाते हैं एवं इन्हें सन्तुष्ट करके आप अपने भय को खतम करने का प्रयास करते हैं। आप अधिक वाचाल क्यों हैं? केवल भय के कारण, और इसलिए भी कि आपने आत्मविश्लेषण नहीं किया है। इस भय से हमें किस प्रकार छुटकारा मिल सकता है? भय के क्या कारण है? पतंजलि के योग सूत्र में इसे स्पष्ट किया गया है। वे इस प्रकार है - अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश। ये पांच क्लेश हैं जो योग दर्शन में वर्णित हैं - अविद्या - अज्ञान या मिथ्या ज्ञान, जो वास्तविकता की गलत समझ को दर्शाता है। अस्मिता - अहंकार या आत्म-अभिमान, जो आत्म की गलत पहचान को दर्शाता है। राग - आसक्ति या आकर्षण, जो किसी वस्तु या व्यक्ति के प्रति अत्यधिक लगाव को दर्शाता है। द्वेष - घृणा या विरोध, जो किसी वस्तु या व्यक्ति के प्रति नकारात्मक भावना को दर्शाता है। अभिनिवेश - मृत्यु का भय या जीवन के प्रति आसक्ति, जो जीवन के प्रति अत्यधिक लगाव को दर्शाता है। क्लेशों का प्रभाव ये पांच क्लेश हमारे मानसिक और आध्यात्मिक विकास में बाधाएं उत्पन्न कर सकते हैं और हमें दुख और पीड़ा की ओर ले जा सकते हैं। योग दर्शन में इन क्लेशों को दूर करने के लिए विभिन्न तकनीकों और अभ्यासों का वर्णन किया गया है।

प्रत्येक कर्म का मन की क्रमानुविधि के अनुसार एक फल होता है। आप चाहे बहुत बड़े धनी बन जाएँ, उद्भट विद्वान या महान् कलाकार बन जाएँ अथवा सेनाध्यक्ष या अजेय ही क्यो न बन जायें परन्तु फिर भी मन की आन्तरिक गहराइयों में भय प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्याप्त रहता ही है। अतः कर्म एवं तद्धनित फल के मध्य किसी प्रकार का सामंजस्य होना चाहिए। गीता में भगवान कृष्ण अर्जुन को यही उपदेश देते हैं हे अर्जुन ! कार्य करना, गतिशील होना, कर्म करना ही तुम्हारा मुख्य उद्देश्य है, फल की आशा को त्यागकर कर्म को पूर्ण करना ही तुम्हारा लक्ष्य होना चाहिए। कर्म को पूर्ण करना एवं साथ-ही-साथ उसके फल के प्रति अनासक्त होना ही कर्मयोग है। यह प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक जीवन से संबंद्ध सर्वोत्तम दर्शन है। इसे गीता के प्रत्येक अध्याय में कृष्ण द्वारा स्पष्ट किया गया है। आप कुछ भी करें, आपके द्वारा किये गये प्रत्येक कार्य मे एक ही उद्देश्य निहित होना चाहिए- आत्मशुद्धि। आपको सर्वदा कर्मफल से परे रहना चाहिये, किन्तु जिस क्षण आप कर्मफल के प्रति आसक्त हो जाते हैं उसी क्षण से जाने-अनजाने आप दुःखी होने लगते हैं और यहीं से मन की शुद्धता का पतन आरंभ हो जाता है।

मन की शुद्धता क्या है? यह नैतिक शुद्धता नहीं। ऐच्छिक विचारों में शुद्धता होना मन की शुद्धता नहीं है। मैं नैतिकता के विषय में, धर्म के विषय में अथवा परोपकार के बारे में चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मन की शुद्धता को जानने के लिए पहले हमे मन की अशुद्धता पर विचार करना होगा। जब आप शान्त होकर बैठते हैं तो आपका मन विचलित होता रहता है। एक के बाद एक विचार लगातार आते रहते हैं, एक विचार पर दूसरा विचार तुरन्त हावी हो जाता है। एक विचार दूसरे विचार को पीछे छोड़ देता है। कभी-कभी आपके मस्तिष्क मे इतनी उलझन हो जाती हे कि यदि आप संवेदनशील व्यक्ति हैं तो आप पागल भी हो सकते हैं। आपके मस्तिष्क से होकर अनेकों विचार तरंगे चलायमान होती रहती हैं और एक विचार तरंग द्वितीय विचार तरंग का विरोध करती रहती है जिसका अनुभव आप करते हैं। मन की विक्षिप्त प्रकृति, मनोविकार, मनोरोगमय होने की प्रकृति प्रत्येक व्यक्ति में होती है।

मन को एकाग्र करने के लिए कर्मयोग द्वारा मन की शुद्धता को प्राप्त कर लेना बहुत ही आवश्यक है। यह गृहस्थ तथा संन्यासी दोनों के लिए ही आवश्यक है। गृहस्थ इच्छाओं के वशीभूत होकर, आकांक्षाओं, उत्कंठाओं के वशीभूत होकर ज्ञान, धन सम्पत्ति आदि प्राप्त करने के लिए कार्य करते हैं। इन कार्यों को वे जब कर्मयोग में परिवर्तित कर देते हैं तब निर्मलता, विशुद्धता एवं मन की एकाग्रता प्राप्त हो जाती है। सबसे महत्त्वपूर्ण चीज है हमारा दैनिक जीवन, हमारा मत, हमारी महत्त्वाकांक्षाएं, परिवार, सफलता, विफलता। होश संभालने से मृत्युपर्यन्त हमारे समक्ष बहुत सारी समस्याएँ आती हैं और कभी-कभी इनके कारण हम अपना संतुलन नहीं रख पाते, हम आत्म-नियंत्रण खो बैठते हैं। इस हालत में हम आसामान्य हो जाते हैं, हमारा मन व्याधिग्रस्त हो जाता है। इस अवस्था के लिए एक योग है- कर्मयोग। यह एक गत्यात्मक विधि है जो मानव को दैनंदिन अनुभूतियों से जोड़ती है।

कर्मयोग द्वारा सम्पूर्ण अनुभूतियों से हमारा संबंध जुड़ता है। यह विज्ञान हमारे दैनिक कार्यों प्रातः काल से रात्रि तक के कार्यों से संबंधित है। वैकल्पिक लाभ के लिए किए गए कार्यों से भी इसका संबंध है। कर्मयोग के दर्शन के अन्तर्गत हमारे सभी कार्य-व्यापार, स्वार्थ-परमार्थ से जुड़ी सभी गतिविधियाँ आ जाती हैं। तो, हम इस निराशा और हताशा से कैसे उबरें? जब घबराहट के कारण हमारा शरीर काँपने लगता है, हमारी हथेली से पसीना छूटने लगता है, गला अवरुद्ध हो जाता है, जब निषेधात्मक तत्त्व हमारे मन के ऊपर मंडराने लगते हैं, जब हमें लगता है कि मृत्यु सामने खड़ी है, हमारी पत्नी हमसे बिछुड़ रही है, हमारी सम्पत्ति नष्ट-भ्रष्ट होने जा रही है, तब कौन-सा योग उपयोगी होगा? जब हमें लगे कि सर्वत्र अपशकुन हो रहा है, हमारे चारों ओर अंधकार छा गया है, तब कौन-सा योग हमारे लिए उपयोगी होगा? भगवत् गीता का कथन है कि इस मनोदशा में कर्म योग ही एक मात्र सहारा है। कर्म योग द्वारा मन की हताशा, दुराशा, अवसाद, कुण्ठा का निराकरण हो सकता है। कर्म योग है क्या? हम प्रतिदिन काम करते हैं। चिकित्सक, व्यवसायी, कामगार, गृहस्थ सभी काम करते हैं, पर यह कर्मयोग नहीं है, कर्म है। कर्म योग योग का एक प्रकार है जिसके पीछे एक दर्शन है। यह वह योग है जिसमें हम जीवन के हर कार्य-व्यापार में संलग्न होते हैं, पर सिर्फ कार्य करते हैं, उसमें लिप्त नहीं होते। यह बड़ी सूक्ष्म बात है - कार्य-व्यापार में भाग लेते हुए भी उससे निर्लिप्त रहना।

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

**थोड़ा पढ़ना और अधिक सोचना, कम बोलना और अधिक सुनना यही बुद्धिमान बनने का उपाय है।**
**- रवीन्द्र नाथ ठाकुर**

## आज का इतिहास

- 1858: ग्वालियर के किले पर ब्रिटिश सेना का कब्जा और इसके साथ ही सिपाही विद्रोह का अंत।
- 1873 : भारत में वाईएमसीए की स्थापना।
- 1887: मुंबई स्थित विक्टोरिया टर्मिनस (छत्रपति शिवाजी टर्मिनस) लोगों के लिए खुला। आज यह देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है।
- 1916: पुणे में एसएनडीटी महिला विश्विविद्यालय की स्थापना।
- 1990: ईरान में भूकंप से लगभग 40 हजार लोग मारे गए।
- 1994: ईरान की मस्जिद में बम विस्फोट में 70 की मौत।
- 1998: विश्वनाथन आनंद ने ब्लादिमीर कैमनिक को हराकर पांचवां फ्रैंकफर्ट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट जीता।
- 1999: सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले दुनिया के 5 नगरों में क्रमशः मैक्सिको सिटी, पेइचिंग, शंघाई, तेहरान और कोलकाता शामिल।
- 2000: काहिरा में समूह-15 देशों का दसवाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
- 2001: जनरल परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने।
- 2001: श्रीलंका मुस्लिम कांग्रेस के समर्थन वापस लेने से चंद्रिका कुमारतुंग सरकार अल्पमत में।
- 2002: पाकिस्तान ने अशरफ जहांगीर काजी को अमेरिका में अपना नया राजदूत नियुक्त किया।
- 2002: अमेरिकी कोर्ट ने मानसिक रूप से बीमार अपराधियों की फांसी की सजा पर रोक लगाई।
- 2005: रूस मालवाहक यान एम-53 अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा।
- 2006: जापान ने अपनी सेनाओं को इराक से वापस बुलाने का निर्णय लिया।
- 2008: बीज बनाने वाली कंपनी अवदात इंडिया लिमिटेड ने अमेरिकी कम्पनी लिमाग्रेन के सोयाबीन बीज के कारोबार का अधिग्रहण किया।
- 2014: प्रख्यात कवि केदारनाथ सिंह को ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा।

## निशाना

### पद की है तलाश !

-कृष्णेन्द्र राय

**अवसर रहे निहार।**
**पद की है तलाश।।**
**ना रहना है आम।**
**बन ही जाना खास।।**
**गुणा भाग में माहिर।**
**जा रहा संदेश।।**
**पर पहले टटोलना।**
**बढ़े ना कलेस।।**
**दिख जाए पर जल्द।**
**नया कुछ अवतार।।**
**मनोरंजन की थोड़ी थोड़ी।**
**बहती रहे बयार।।**
**फैसला तो मान्य है।**
**पर कसक है बाकी।।**
**ना आई पर काम।**
**कोई भी चालाकी।।**

# 2 माह से जलसंकट से जूड रहे रहवासी, वृन्दावन ग्राम ने की पहल, पूरे गांव की बुझा रहा प्यास

**विशाल रजक तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

ब्लॉक के ग्राम हाथीडोल, जो पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है, पिछले कई महीनों से गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में पाइपलाइन तो डाली गई है, परंतु विगत दो माह से जल आपूर्ति पूर्णतः बंद है। गांव में कोई सार्वजनिक जल स्रोत भी सक्रिय नहीं है, जिससे स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है।

**जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में पाइपलाइन तो डाली गई है, लेकिन दो माह से पानी की सप्लाई है बंद**

ग्रामवासियों ने कई बार इस संबंध में जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं एसडीएम को आवेदन प्रस्तुत कर पानी की समस्या के निराकरण की मांग की, परंतु अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। ऐसे संकट की घड़ी में ग्राम के वृंदावन यादव ने समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने निजी बोरवेल से समूचे गांव को जल आपूर्ति प्रारंभ की है। उनके इस प्रयास से सैकड़ों ग्रामीणों को पीने व दैनिक उपयोग के लिए पानी मिल रहा है। ग्रामवासी ललता गोंड, बबलू सिंह, शंकर यादव गुड्डा सिंह, गुड्डू यादव, गोपाल सिंह व अन्य लोग वृंदावन यादव की इस सेवा भावना से अत्यंत प्रभावित हैं और उन्हें गांव का भागीरथ कहकर सम्मान दे रहे हैं। यह कार्य न केवल जल संकट के समाधान का अस्थायी मार्ग बना, बल्कि सामुदायिक एकजुटता और सेवा भावना का प्रेरणास्रोत भी बना। ग्रामवासियों ने शासन से अनुरोध किया है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित पाइप लाइन को शीघ्र सक्रिय किया जाए ताकि गांव में स्थायी रूप से जल संकट का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

## पीड़ितों को शीघ्र ही सहायता राशि उपलब्ध कराने कलेक्टर ने दिए निर्देश

# जर्जर भवनों को चिन्हित कर उन्हें डिस्मेंटल की कार्यवाही हो : मीना

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की अभियान के अंतिम चरण में सभी प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण रूप देने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़ी इस सर्वोच्च प्राथमिकता वाले अभियान में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की गति बनाए रखें और समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से अमृत सरोवरों की प्रगति की जानकारी ली और निर्देशित किया कि शेष बचे हुए अमृत सरोवरों को राजस्व रिकॉर्ड में अद्यतन (अपडेट) करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए। उन्होंने समस्त जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देश दिए कि अमृत सरोवरों पर यदि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण है, तो उसे तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और यह कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों (आरआई) एवं पटवारियों से यह प्रमाण-पत्र प्राप्त करें कि उनके क्षेत्र अंतर्गत किसी भी जलाशय पर कोई अतिक्रमण नहीं है। इसके साथ ही, कलेक्टर ने जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने हेतु उन्हें चिन्हित करने और संबंधित एसडीएम को समय पर जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी समस्त सीईओ जनपद पंचायत को दिए।

कलेक्टर ने समग्र ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा के दौरान समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) एवं नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों (सीएमओ) को निर्देशित किया कि डिलीट किए जाने योग्य समग्र आईडी को हटाने से पूर्व पूरी तरह से पुष्टि अवश्य कर लें, ताकि किसी आवश्यक आईडी का अनावश्यक रूप से विलोपन न हो। कलेक्टर ने कहा कि समग्र आईडी ई-केवाईसी राज्य शासन की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। अतः इस कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा लापरवाही बर्दाश्त न की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस संबंध में अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी स्पष्ट निर्देश जारी करें, ताकि समग्र डाटा की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने आधार डी-लिंक के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की और शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्रकरणों में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा संबंधित नागरिकों को समय पर लाभ सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, तकनीकीइ समस्याओं के कारण लंबित ई-केवाईसी से संबंधित समग्र आईडी प्रकरणों को भी प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि तकनीकी अड़चनों को शीघ्र चिन्हित कर उनके निराकरण हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी माह से जिन हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होगा, उन्हें राशन प्रदाय नहीं किया जाएगा। इस संबंध में उन्होनें व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर आमजन को सूचित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में मुनादी के माध्यम से भी ई-केवाईसी की अनिवार्यता एवं लाभों के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि किसी भी पात्र हितग्राही को योजनाओं से वंचित न रहना पड़े।

इस दौरान फार्मर रजिस्ट्री से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि सत्यापन संबंधी कार्यों को किसी भी स्तर पर लंबित न रखा जाए। फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति लाकर नियमित रिपोर्टिंग की जाए तथा कार्य प्रगति की जानकारी जिला कार्यालय को उपलब्ध करवाई जाए। बैठक में कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि पोर्टल पर कोई भी प्रकरण रीडर, तहसीलदार अथवा एसडीएम स्तर पर लंबित न रहे।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने जिले में मूंग उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि मूंग पंजीयन की अंतिम तिथि के उपरांत उपार्जन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारी उपार्जन केंद्रों के प्रस्ताव समय पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला प्रबंधक वेयरहाउसिंग को निर्देशित किया कि मूंग उपार्जन हेतु निर्धारित वेयरहाउसों का निरीक्षण एवं सत्यापन कार्य पूर्व नियोजित तरीके से किया जाए, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बैठक में कलेक्टर ने सीएमओ मार्कफेड को निर्देश दिए कि जिले में खाद एवं उर्वरक के वितरण के लिए कैश सेल काउंटर की स्थापना हेतु प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को शीघ्र प्रेषित किए जाएं। केंद्र नियुक्ति करें, ताकि वितरण प्रक्रिया वू संचालित हो

कलेक्टर ने ई ऑफिस के तहसील एवं विकासखंड स्तर पर क्रियान्वयन के उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि एसडीएम कार्यालय से किसी भी प्रकार का पत्राचार ई ऑफिस के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। विकासखंडवार वर्षा काल एवं संभावित बाढ़ आपदा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्षा काल के दौरान जर्जर भावनाओं को चिन्हित कर उन पर आवश्यक कार्रवाई कर नियमित रूप से इसकी रिपोर्टिंग की जाए साथ ही नदी नालों की नियमित रूप से सफाई की जाए तथा आश्रय स्थानों का भी निरीक्षण सुनिश्चित करें।

## विश्व सिकल सेल दिवस पर किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

**नर्मदापुरम।** भारतीय रेडक्रॉस समिति के म प्र राज्य शाखा के निर्देश अनुसार विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ सुनीता कामले सिविल सर्जन एवं सचिव के मार्गदर्शन मे चिकित्सक विशेषज्ञों जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ एवं नोडल अधिकारी सिकल सेल नियंत्रण डॉ गजेंद्र यादव आर एम ओ, सतीश तिवारी मेडिकल स्पेशलिस्ट ने उपस्थित लोगो को सिकल सेल के बारे में लक्षण उपाय एवं बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मेट्रन किरण सिंह, पम्मी राव, रोशनी प्रजापति, डीसीएम शैलेंद्र शुक्ला रेड क्रॉस कार्यालय प्रभारी रेडक्रॉस शेर सिंह बड़कुर एवं चिकित्सालय स्टॉप आदि उपस्थित रहे।

## बाबा विश्वनाथ की नगरी में काव्य महोत्सव 22 एवं 23 जून को

**नर्मदपुरम।** समाजसेवा,कला,साहित्य,संस्कृति को समर्पित संस्था नर्मदा आह्वान सेवा समिति व्दारा वाराणसी मे अखिल भारतीय काव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक किशोर करैया केप्टिन बताया की साहित्य,संस्कृति,कला की राजधानी, बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी ,वाराणसी के कैलाश मठ के भव्य परिसर जो कि आध्यात्मिक ओर पर्यटन स्थल पर महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी आशुतोषानंद गिरी के स्नेहिल सानिध्य मे एंव अंतरराष्ट्रीय कवि प्रोफेसर ओमपाल सिंह निडर जी,वरिष्ठ कवि पं.भूषण त्यागी, अंर्तराष्ट्रीय कवि डॉ. अनिल चौबे तथा दमदार बनारसी की गरिमामय उपस्थित मे 22ओर 23 जून को भव्य काव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।समिति के हंस राय ने बताया की आयोजन मे देश के विभिन्न प्रांतों से 50 कवि,साहित्यकारो को आंमत्रित किया गया है। श्री करैया ने बताया की आयोजन दो सत्रों मे प्रातः 9 बजे से सांयकाल 6 बजे तक होगा काव्य पाठ उपरांत सभी कवियों का अतिथियों की उपस्थिति मे समिति व्दारा साहित्य गौरव सम्मान,स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

## शिंदे से की मुलाकात

**गंजबासौदा।** शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में असहाय लोगों की मदद कर समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाकर समस्याओं को हल कराकर समाजसेवा का कार्य कर रहे शिवसेना जिलाध्यक्ष विजेंद्र देवा लोधी ने मुंबई पहुंचकर पार्टी कि आगामी कार्य को लेकर शिवसेना नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की विदिशा जिले में चल रहे कार्य को अवगत कराया और आश्वासन दिया कि मध्य प्रदेश में पार्टी को प्रमुख रूप से संचालित करेंगे।

## कॉम्बिंग गश्त अभियान के दौरान तेन्दूखेड़ा पुलिस ने 8 वारंटी तमील किए

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिलेभर में चलाए गए अभियान का असर विशाल रजक तेंदूखेड़ा!-अपराधों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिलेभर में चलाए गए विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान का एक बड़ा असर देखने को मिला है इसमें जिलेभर से एक ही रात में 150 से अधिक वारंट तमिल किए गए हैं इसी बीच तेन्दूखेड़ा थाना प्रभारी नीतेश जैन व पुलिस स्टाफ द्वारा भी कॉम्बिंग गश्त के दौरान आठ स्थाई वारंटी तमिल किए हैं जिसमें 1.धरम पिता प्रहलाद सिंह लोधी उम्र 23 साल, 2.देवी पिता लक्ष्मण सिंह लोधी अमर 32 साल, 3.नरवद पिता डोमन सिंह लोधी उम्र 34 साल, 4.देवी पिता मेघराज लोधी उम्र 24 साल, 5.राजेंद्र पिता मालगुजार लोधी उम्र 28 साल, 6.नन्हे भाई पिता होरीलाल लोधी उम्र 30 साल सभी निवासी ग्राम बम्होरी थाना तेंदूखेड़ा एवं 7.मुकेश पिता बाबूलाल यादव उम्र 40 साल निवासी ग्राम धनगौर तथा 8.लक्ष्मण प्रसाद पिता कंधीलाल झरिया उम्र 29 साल निवासी ग्राम देवरी सरैया थाना पाटन जिला जबलपुर को गिरफ्तार करके कोर्ट भेजा गया।

## अजाजजा अत्याचार निवारण अधिनियम पर बैठक

**नर्मदापुरम।** अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति, नर्मदापुरम की त्रैमासिक बैठक गुरुवार को कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय स्थित रेवा सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में 31 मई 2025 की स्थिति में अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों की प्रगति, पंजीकरण, राहत राशि वितरण तथा अभियोजन की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर सुश्री मीना ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिनियम अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए तथा जिन प्रकरणों में आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है, उनमें संबंधित विवेचना अधिकारी आवश्यक कार्रवाई करते हुए शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि उपखंड स्तर पर गठित सतर्कता समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं तथा संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं थाना प्रभारियों के बीच समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित की जाएं।

## स्कूल वाहनों की हुई जांच, आरटीओ की सख्त हिदायत

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी तथा कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा नर्मदापुरम की स्कूल बसों की जांच की गई।

स्कूल संचालकों को सभी स्कूल वाहनों में मेडिकल बॉक्स, स्पीड गवर्नर लगा होना, अग्निशामक यंत्र, बस का फ्लोर सही होना, वाहनों के वाइपर चालू होना, हैडलाइट तथा इंडिकेटर दुरुस्त होना, इमरजेंसी गेट का सही होना तथा सीट न होना, वाहनों के सभी दस्तावेज पूर्ण होने सम्बंधी निर्देश एवं सख्त हिदायत दी गई।

परिवहन विभाग द्वारा शहर के 25 वाहनों की जांच की गई तथा शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के उपरांत स्कूल वाहनों में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर चलानी कारवाही की हिदायत दी गई। स्कूल संचालकों द्वारा भी लिखित रूप में वाहनों के दुरुस्त होने तथा दस्तावेज पूर्ण होने के उपरांत ही वाहनों को संचालित करने हेतु लिखित आश्वाशन दिया। विभाग द्वारा अभी तक लगभग 278 स्कूल वहां चेक किए जा चुके है।

## मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ बिजली कटौती, पेड़ों से टकरा रहे तार, तेज हवा में फिर होगी बिजली गुल

**गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो**

विद्युत विभाग द्वारा बारिश से पहले मेंटनेंस विद्युत लाइनों के रखरखाव के लिए शहर में कई घंटों बिजली की कटौती की गई। क्योंकि बारिश से पूर्व लाइनों का रखरखाव इसलिए किया जाता है कि बारिश तेज आंधी में बिजली बार बार गुल न हो। लेकिन इसके बाद भी कई जगह मेंटेनेंस कार्य अभी भी अधूरा है। कई जगह विद्युत तारों पर पेड़ो की डालियां टकरा रही है। जो तेज हवा में टूटकर तारों पर गिरेगी और फिर घंटों बिजली बंद रहेगी। बेहलोट रोड पर कई जगह पेड़ों से तार टकरा रहे। वहां के रहवासियों का कहना है कि जैसे ही तेज हवाएं या पानी आता है पेड़ की डालियां तारों के टकराने से चिंगारियां निकलती है। बारिश के समय में करेंट का भी डर रहता है। नागरिकों का कहना है कि जब मेंटनेंस के नाम पर घंटों बिजली कटौती की है तो फिर ये कैसा मैनेंटेंस किया है। विद्युत तार पेड़ों से टकरा रहे है। जो तेज हवा में कभी भी डालियों तारों पर गिर जाएंगी और फिर घंटों लाइट बंद रहेगी। ऐसा शहर में कई जगह देखने को मिलेगा कि कई जगह पेड़ों से विद्युत तार टकरा रहे होंगे। जो तेज आंधी में विद्युत विभाग की समस्या बनेंगे। और फिर रहेगी घंटों बिजली गुल विद्युत विभाग के अधिकारियों को मौके पर

भी देखना चाहिए कि कहां क्या मेंटनेंस हुआ है कहां नहीं हुआ। इस संबंध में विद्युत वितरण कंपनी के डीई राजू भाभोर का कहना है कि बेहलोट बायपास का कुछ हिस्सा मेंटेनेंस के लिए रह गया था। जल्द ही वहां का मेंटनेंस कार्य किया जाएगा।

**मेट्रो एंकर** 20 जून को ग्वालटोली में स्वास्थ्य केंद्र में होगा शिविर

# 'टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत कैम्प में 95 लोगों की हुई जांच

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

सचिव भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र भोपाल के दिशा निर्देश अनुसार राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम बहुत महत्तवपूर्ण कार्यक्रम है जिसकी समीक्षा माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रगति कार्यकम एवं सेन्ट्रल टीबी डिवीजन द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत की जा रही है टीबी मुक्त भारत अभियान पूरे भारतवर्ष में प्रारभ हो गया है।

नर्मदापुरम जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान÷ के तहत गुरूवार 19 जून को शहरी स्वास्थ्य केंद्र मालाखेड़ी में क्षय रोग जांच कैम्प आयोजित किया गया। कैम्प में लगभग 95 नागरिकों की जांच की गई। कैम्प में डॉ. संजय पुरोहित, डॉ. रोहित शर्मा और डॉ. प्रोक्षणी मलैया ने नागरिकों की जांच की। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर संभावित मरीजों को बुलाया गया। लक्षणों के आधार पर संभावित मरीजों की टीबी स्क्रीनिंग की गई और लाइन लिस्ट तैयार की गई। जिसमें खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, खांसी में खून आना, छाती में दर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों वाले लोगों की जांच की गई।

कैम्प में यूपीएचसी मालाखेड़ी के समस्त स्टॉफ और जिला क्षय केंद्र नर्मदापुरम के स्टॉफ ने पूर्ण सहयोग किया। 20 जून को ग्वालटोली में स्वास्थ्य केंद्र में एक और शिविर आयोजित किया जाएगा।

## सिकल सेल दिवस : सुखतवा में जागरूकता शिविर व टीकाकरण

**नर्मदापुरम।** विश्व सिकल सेल दिवस हर साल 19 जून को मनाया जाता है। यह दिन सिकल सेल रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इससे पीड़ित लोगों की चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर जिले के आदिवासी ब्लॉक केसला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के दिशा निर्देश तथा सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन में डीपीएम कविता भोई और सीबीएमओ डॉ आर एस मीणा की उपस्थिति में सिकल सेल एनीमिया जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

# जब तक नदियां बारहमासी नहीं होगी तब तक बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा पाना चुनौती : पटेल

**तेंदूखेड़ा/दमोह, दोपहर मेट्रो**

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटैल बुधवार शाम 7.45 बजे ग्राम इमलीडोल के गौरेया नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचकर विधी विधान से पूजन किया गया। मंत्री प्रहलाद पटैल ने कहा कि गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत कहा कि मध्यप्रदेश को नदियों को मायका कहा जाता है, 247 से अधिक नदियों का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश मे है, भारत के किसी भी राज्य में इतनी नदियों का उद्गम नहीं है, हमारी नदियों का पानी मॉ नर्मदा, गंगा, गोदावरी के बेसिन में जाता है। आप सभी सौभाग्यशाली है यहॉ गौरेया नदी का उद्गम है, उद्गम का तप इतना है, मेरें गुरू ने कहा था उद्गम पर ऊर्जा रहती है और

**हमें अपने देवता को पेड़ों में देखना चाहिए और उनकी पूजा करना चाहिए**

संगम पर जीवन होता है, उसे कभी कुचलने की गलती मत करना, मैं सभी से आग्रह करता हूॅ इस उद्गम पर फेंसिग करा दी जायेगी, पौधे लगाये-जायेंगे और वहॉ कुंडी भी बनाई जायेगी ताकि लगे कि यह गौरेया नदी का उद्गम स्थल है।

इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा जल ही जीवन है जल है तो कल है, इसे संरक्षित और सहेज कर रखें क्योंकि जल के बिना प्राणियों का जीवन असंभव है

इसलिए जल के संरक्षण के साथ जल देने वाले कुॅओ, तालाब और नदी को साफ सुथरा रखे और उन्हें संरक्षित कर अपना और आने वाली पीढियां का उद्धार करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा जब तक नदियां बारहमासी नहीं होगी तब तक बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा पाना चुनौती है। मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाये। उन्होंने सभी से पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा ग्राम के लोग भी यहां पर पेड़ जरूर लगाए। श्री पटेल ने कहा अपनी पीढ़ी का भविष्य अच्छा चाहते हैं तो हम उन स्थानों को वृक्षो से आच्छादित करेंगे तो आज नहीं तो कल उस स्रोत को फिर से संवार जीवित कर सकेंगे यह कोशिश है जिसे सभी को मिलकर करनी चाहिए।

इस अवसर पर मॉ नर्मदा के परम भक्त दादा गुरू जी ने गरिमामय समारोह को संबोधित करते हुए कहा अपने देवता को तुम स्थापित कर रहे हो, जैसे मठ में मूर्ति की स्थापना होती है। वैसे तुम उन पेड़ों में देवता को परमात्मा को ईश्वर को देखना चालू कर दीजिए। एक पेड़ मॉ के नाम गौरैया मैया के नाम उसके तट पर और उसके आसपास अपने हाथों से परिवार के साथ में जैसे मंदिर जाते तो सामूहिक आराधना करते हो। ऐसे ही परिवार, बच्चों के साथ आकर नदी के तट और आसपास सामूहिक रूप से पेड़ लगाएं यही हमारी प्रार्थना है, यही सन्देश है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे, एडीशनल एस.पी. संदीप मिश्रा, एसडीएम सौरभ गंधर्व, सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन एवं मूरत सिंह लोधी, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता सिंह, रश्मि साहू, ऋतु साहू, लक्ष्मी नामदेव, तहसीलदार डॉ. विवेक व्यास, जनपद सीईओ मनीष बागरी, एसडीओपी तेंदूखेड़ा देवी सिंह ठाकुर और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

## पीएम मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर, विधायक ने लगाई मोहल्ला चौपाल

# सिरोंज को बनाएंगे ग्रीन, क्लीन और विकसित नगर : उमाकांत शर्मा

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के ग्यारह साल पूरे होने पर विधायक उमाकांत शर्मा ने वार्ड क्रमांक एक दो एवं तीन के नागरिकों के साथ मोहल्ला चौपाल का आयोजन करके संवाद स्थापित लोगों ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों ने अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में सहायक प्रधानमंत्री आवास योजना,स्ट्रीट वेंडर , उज्जवला योजना के माध्यम से परिवार में आए परिवर्तन के अनुभवों को विधायक के साथ साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद भी व्यक्त किया।

विधायक शर्मा ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के साथ गरीबों के जीवन स्तर को उठाने के लिए इन ग्यारह सालों में मोदी सरकार एवं प्रदेश सरकार ने गरीब, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े एवं सामान्य

सभी वर्गों के लिए योजनाएं लागू कर जीवन बदलने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास,उज्जवला गैस, निःशुल्क राशन वितरण, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना सहित अनेकों योजनाओं के माध्यम से गरीबों की सहायता की है। सरकार की इन योजनाओं का लाभ आम जनता को पूरा लाभ मिल रहा है या नहीं एवं उनको अपने दैनिक जीवन में आ रही प्रशासनिक रुकावटों को दूर करने के लिए ही भाजपा संगठन के मंशानुरूप हमने यह मोहल्ला चौपाल आयोजित की है। जिसमें हमने सबके सामने खुलकर बातचीत की है। हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आम जनता के हित में अच्छे से अच्छा काम करने के लिए सदैव प्रयासरत है। सभी के सहयोग से नगर को पूर्वमंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ग्रीन क्लीन समृद्ध साली बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं जल्दी ही 7 करोड रुपए और मिलने वाले हैं उसे जो काम रहेगा उनको फोन करवाएंगे साथ उन्होंने कहा कि घटिया काम करने वाले ठेकेदारों पर प्रकरण भी दर्ज करवाएंगे मैं ब्लैक लिस्ट भी करेंगे गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेंगे गलतियां होंगी उनकी छमाही मांगते हैं पर विकास के लिए प्रयास करते रहेंगे

पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने स्थानीय बस स्टेंड से लेकर पालीवाल कॉलोनी होते हुए बायपास मार्ग तक पहुंच मार्ग स्वीकृत कराए जाने के लिए वार्डवासियों एवं नागरिकों की ओर से धन्यवाद व्यक्त किया। पांच करोड़ साठ लाख की लागत से बनने वाली इस सड़क के बन जाने से भोपाल एवं बासौदा विदिशा जाने वाले वाहनों के आवागमन में तो सुविधा होगी लोगों की इस दौरान समस्या लेकर पहुंचे लोगों के पास विधायक पहुंचे आवेदन लिए उनका समाधान करवाया अधिकारियों से करवाया आभार नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस दौरान नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, हरीबाबू भार्गव, रमेश यादव, संतोष चौरे,हरिचरण अहिरवार, तहसीलदार संजय चौरसिया, एई सुशील समेले सहित स्थानीय प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद थे।

## आपदा मित्रों, सिविल डिफेंस वालेंटियर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण जारी

**सिरोंज।** विदिशा आपदा प्रबंधन भोपाल द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड श्री मयंक जैन के मार्गदर्शन में कुरवाई एवं आस पास की डीआरसी में तैनात होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों तथा आपदा मित्रों, सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में तैराकी, मोटर वोट चालन, रेस्क्यू तकनीक जैसे नदी में डूबने वाले व्यक्ति को हेड टॉ, चिन टॉ के माध्यम से कैसे बचाकर बाहर निकालें , आपदा प्रबंधन उपकरणों का संचालन आदि के बारे में सीख दी गई है। प्रशिक्षण के दूसरे दिवस कुरवाई एसडीएम श्री नितिन जैन एवं नगर पालिका परिषद कुरवाई अध्यक्ष श्री असुदीन खान द्वारा प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। एसडीएम श्री जैन के द्वारा प्रशिक्षण के बारे में जानकारी भी ली गई। होमगार्ड विभाग के सहायक उप निरीक्षक श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा एवं एसडीईआरएफ के कुशल जवानों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

## सशक्त वाहिनी अभियान के आवेदन आमंत्रित

**सिरोंज।** मध्यप्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास द्वारा महिला एवं बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से सशक्त वाहिनी अभियान अंतर्गत युवतियों, बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं विशेषकर पुलिस भर्ती में चयन हेतु -निशुल्क मार्गदर्शन, अध्ययन एवं शारीरिक प्रषिक्षण हेतु इक्छुक प्रतिभागियों के आवेदन 20 जून से 30 जून 2025 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कलेक्ट्रेट परिसर जिला विदिशा एवं कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्गानगर विदिशा में अमंत्रित किये गए हैं। इच्छुक प्रतिभागी जिनकी आयु न्यूनतम 18 वर्ष हो एवं कक्षा 12वी उत्तीर्ण हो, कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से सांय 06 बजे तक उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों (आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज फोटो एवं कक्षा 10वी, 12वी की मार्कशीट) की फोटो कॉपी के साथ आवेदन कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए मो.न. 9425130150 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

## एफआईआर दर्ज हुई

**सिरोंज।** शमशाबाद एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल ने बताया कि शमशाबाद के नसरतगढ़ में स्थित राधारानी ट्रेडर्स नामक उर्वरक कीटनाशक बीज विक्रय दुकान में अवैध रूप से उर्वरक का क्रय विक्रय किया जाने के फलस्वरूप निर्धारित प्रपत्रो में केश मेमो जारी ना करना तथा आवश्यक प्रविष्टियां पूर्ण ना कराने के फलस्वरूप उर्वरक निरीक्षक श्री हरिसिंह राजपूत द्वारा दुकान संचालक विकास रायकवार पिता राकेश रायकवार निवासी इन्द्रपुरी कॉलोनी शमशाबाद के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया सम्पादित कराई गई है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत उल्लेखित धाराओ के तहत एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया संपादित कराई है।

## दिनभर होती रही बारिश, मौसम में घुली ठंडक , किसान बोनी में लगे

**सिरोंज।** गुरुवार को सुबह से ही आसमान पर काली घटाओं ने डेरा जमाया लिया था दोपहर में बारिश का दौड़ प्रारंभ हुआ तो शाम तक चलता रहा कभी हल्की तो कभी तेज पानी गिरने से गर्मी से राहत गई दूसरी ओर नालिया चौक होने से गंदगी भी सड़कों पर तैर रही थी नगर पालिका परिषद के द्वारा पहले से तैयारी नहीं की गई है । -अभी इनकी सफाई करवाई जा रही है इस कारण कई गलियां सफाई से वंचित है उनमें से पानी नहीं निकल पा रहा है लगातार बारिश होने पर और भी ज्यादा हालत खराब होंगे दूसरी ओर पानी गन्ने के बाद कृषक खरीफ फसल की बोनी में लग गए क्योंकि पहले से ही पानी बरस रहा है बोनी के लायक पानी हो गया है आने दिनों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो जाएगा इसलिए कम पानी होने के बाद यहां भी फसल लगाने में जुट गए हैं।

# भूमाफियाओं ने लोगों चूना लगाने निकाला नया तरीका तीर्थ स्थल नाम से अवैध कॉलोनी, समाज ने किया विरोध

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

नगर में चारों तरफ अवैध कॉलोनी काटने की होड़ मची हुई है। एक तरफ कलेक्टर के द्वारा अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कार्रवाई करने के दिशा निर्देश दिए पर भूमाफियाओं का गठबंधन इतना ताकतवर है कि कलेक्टर के निर्देश भी इन पर लागू नहीं हो रहे हैं। वहीं जनता को लूटने के लिए अब इन्होंने एक और नया तरीका निकाला है धार्मिक स्थलों के नाम से कॉलोनी काटकर प्लाट बेचने के लिए आरोन रोड पर जैन तीर्थ स्थल के सामने जिनोदय नगर परिवार के नाम से अवैध कालोनी विकसित की जा रही है जिसको लेकर जैन समाज ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि उनके धार्मिक स्थल के नाम से कॉलोनी काटने का कार्य गलत है इसको हटाया जाए यदि शीघ्र नहीं हटाया गया तो लिखित में शिकायत करके प्रशासन

से करवाई करवाई जाएगी दूसरी ओर धार्मिक स्थल के नाम से कॉलोनी काटने पर सोशल मीडिया में इसका वीडियो और मामला वायरल हो रहा है। इसके बाद भी शासन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारीयों ने इस तरफ अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया जबकि इनकी अनदेखी के कारण मामला आगे भी सकता है इस बात की इनको। कोई चिंता नहीं कर रहा वैसे ही यहां की तासीर है कि मामला बिगड़ने के बाद ही जिम्मेदार नींद जागते है । प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को मामले की जानकारी होने के बाद भी यहां अंजान बने हुए हैं। वहीं श्री दिगंबर जैन समाज तथा जिनोदय तीर्थ स्थल ट्रस्ट महामंत्री सुनील जैन ने बताया कि जैसे ही हमे पता चला कि हमारे तीर्थ स्थल के नाम से हकीम खान के द्वारा कालोनी काटी जाए तो हमने उन्हें व्यक्तिगत रूप से कहा कि हमारे तीर्थस्थल का नाम तत्काल हटाए यह गलत है। यदि इसके बाद भी इन्होंने नाम नहीं बदला तो हम प्रशासन से करवाई करवाएंगे आवश्यकता पड़ने पर जन आंदोलन भी करेंगे हमारे समाज में भारी आक्रोश नाम को लेकर हो रहा है इनकी शिकायत के बाद कॉलोनी का नाम बदलेगा या नहीं यह तो आने वाले दिनों में पता चलेगा दूसरी ओर यह जानकारी जरूर सामने आ रही है कि यहां पर अवैध रूप से कॉलोनी को विकसित की जा रही है। इसके बाद भी नगर पालिका से लेकर तहसीलदार और एसडीएम कार्यालय से कोई कार्रवाई करने यहां पर नहीं पहुंचा है ।

### गोलमाल करने का तरीका

जानकारों ने बताया कि महंगे प्लाट बेचने और अच्छे लोगों को अपने झांसे में लेने के लिए भूमाफिया ने नया तरीका निकाला है। लोगों को लुभाने के लिए धार्मिक स्थलों का सहारा लेकर का नाम रखकर कॉलोनी काटकर मोटी रकम वसूलना इनका लक्ष्य उसको पूरा करने के लिए यह लोग किसी भी हद तक जा सकते हैं । कॉलोनी बनाने के दौरान लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते हैं सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा करते हैं और जैसे ही प्लाट बिक जाते हैं उसके बाद यहां पर मुड़कर भी नहीं देखते हैं। इसके बाद मकान बनाकर इन कॉलोनी में रहने वाले लोगों को जरूर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। सुविधाओं के नाम पर खाना पूर्ति होती है। इस बात का पता कॉलोनी काटने वालों को इसीलिए यहां अपने हिसाब से कहीं भी किसी भी नाम से कॉलोनी काटने लगते हैं। शहर में ऐसे और कॉलोनाइजर है जहां पर धार्मिक देवी देवताओं के नाम से भी कॉलोनी काटने का काम करके लोगों को चूना लगाने का कार्य किया गया है।

### इनका कहना है

हमने हमारे तीर्थ स्थान के नाम से कॉलोनी गलत है हमने कॉलोनी कांटे वाले हकीम खान को व्यक्ति रूप से बता दिया है नाम बदलने नहीं तो हम करवाई करवाएंगे।

**- सुनील जैन**
महामंत्री जिनोदय तीर्थ ट्रस्ट एवं श्री दिगंबर जैन समाज महामंत्री

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर पहले से कार्रवाई चल रही है इसके बाद भी नवीन कॉलोनी बनाई जा रही है तो इस पर भी हम कार्रवाई करेंगे । धार्मिक नाम से काटी जा रही है शिकायत मिलने पर नियम अनुसार कार्रवाई करें।

**- हर्षल चौधरी**
एसडीएम

**मेट्रो एंकर** स्कूल व आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण

# कलेक्टर गुप्ता ने समूह का अनुबंध समाप्त करने के दिए निर्देश

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बुधवार को लटेरी प्रवास के दौरान आनंदपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और विद्यालय परिसर में ही संचालित आंगनबाडी केन्द्र क्रमांक पांच का निरीक्षण किया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने आंगनबाडी केन्द्र भवन के समीप साफ सफाई कराने के निर्देश देते हुए बच्चों का आकर्षित करें ऐसी बाल पेन्टिग बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बच्चों को प्रदाय पोषण आहार के अलावा आंगनबाडी केन्द्र में दर्ज बच्चो की संख्या और उनमें से सेम एवं मेम बच्चों की पृथक-पृथक संख्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की है। बच्चो को प्रदाय पोषण आहार के वितरण के संबंध में समूह द्वारा भोजन समय पर नहीं देने की शिकायत पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने समूह के द्वारा स्कूल परिसर में ही बनाए जाने वाले भोजन कक्ष का अवलोकन करने हेतु कक्ष का ताला खुलवाया और वहां भोजन की बनाने की व्यवस्था में भिन्नता पाए जाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्कूल के निरीक्षण के दौरान शिक्षकों से बच्चों की उपस्थिति, बोर्ड परीक्षा परिणाम तथा शिक्षको के द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे

प्रबंधो की जानकारियां प्राप्त की है।

### कार्यवाही

कलेक्टर श्री गुप्ता के निरीक्षण दौरान पाई गई गंभीर अनियमितताओं पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश उनके द्वारा दिए गए थे निर्देशो के अनुपालन में डीपीसी श्री आरपी लखेर ने बताया कि शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल आनंदपुर में आंगनबाडी के बच्चों का भोजन समूह के घर से नाराजगी व्यक्त की है और स्कूल में ही किचिन बनाया जाए के निर्देश दिए है वर्तमान में स्कूल की मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के निरीक्षण दौरान किचिन में गंदगी पाए जाने, खाद्य सामग्री सुव्यवस्थित नहीं पाए जाने तथा केवल चार बच्चों का भोजन बनाए जाने पर उपरोक्त प्रक्रिया को क्रियान्वित कराने ओर मानिटरिंग के दायित्व निर्वहन कार्य करने में जन शिक्षको द्वारा की गई अवहेलना के फलस्वरूप जन शिक्षक श्री देशराज यादव और श्री चंदन सिंह जादौन को हटाने तथा भोजन बनाने वाले सदभावना स्वसहायता समूह का अनुबंध समाप्त करने की कार्यवाही निर्देशो के परिपालन में की गई है।

### कलेक्टर ने लटेरी में पुर्नघनत्वीकरण योजना के कार्यों का निरीक्षण किया

कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा विगत दिवस बुधवार को लटेरी क्षेत्र में भ्रमण कर जिले में क्रियान्वित कार्यों का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने लटेरी में पुर्नघनत्वीकरण योजना हेतु नगर परिषद, जनपद पंचायत की 0.91 हेक्टेयर भूमि का निरीक्षण भी किया। नगर परिषद परिसर में स्थित दुकानों को वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने के लिए तहसीलदार लटेरी को दिए गए हैं, ताकि योजना का क्रियान्वयन शासन की मंशानुसार शीघ्र हो सके। साथ ही नगर परिषद कार्यालय के विपरीत स्थित जीर्ण-शीर्ण पशु चिकित्सालय भवन, पुलिस आवास आदि की भूमि का पुर्नघनत्वीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए भी हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिये गए हैं।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, एसडीएम लटेरी, कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड, मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

### पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से लीड्स में

# इंग्लैंड में होगी नई शुरुआत, शुभमन गिल के नेतृत्व में भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजरने को तैयार

**लीड्स, एजेंसी**

नया कप्तान, दृढ़निश्चयी कोच, कुछ पुराने और कुछ नये चेहरे अगले 45 दिनों में एक दिलचस्प कहानी गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जब भारत शुक्रवार से यहां एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जाने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड से भिड़ेगा। भारत अभी तक इंग्लैंड में केवल तीन बार टेस्ट श्रृंखला जीत पाया है। उसने 1971 में अजीत वाडेकर, 1986 में कपिल देव और 2007 में राहुल द्रविड़ की अगुवाई में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब शुभमन गिल इस सूची में अपना नाम लिखवाने के लिए बेताब होंगे। लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के कारण भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। इससे वह अनुभव के मामले में थोड़ा कमजोर नजर आती है।

पच्चीस वर्षीय गिल के लिए यह श्रृंखला अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगी, क्योंकि इंग्लैंड की टीम ने ब्रेंडन मैकुलम की कोचिंग और बेन स्टोक्स की कप्तानी में टेस्ट मैच की बल्लेबाजी की परंपराओं को बदल दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम उनके आक्रामक रवैये का किस तरह से जवाब देती है। भारत के 37वें टेस्ट कप्तान के रूप में गिल का चयन इस बात पर अधिक आधारित था कि उनसे क्या अपेक्षा की जा सकती है। उनको यहां काफी कुछ साबित करना है।

असामान्य रूप से गर्म लीड्स (शुक्रवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस हो सकता है) और हेडिंग्ले की आठ मिमी घास से भरी 22 गज की पिच इंग्लैंड के लिए बहुत भाग्यशाली नहीं रही है। ऐसे में जो भी टीम अच्छी बल्लेबाजी करेगी उसकी जीत की संभावना बढ़ जाएगी।

## गंभीर के रणनीतिक कौशल की असली परीक्षा

कोहली और रोहित के जाने के बाद भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति मुख्य कोच गौतम गंभीर का अभी तक कोच के रूप में रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है और वह इसे और खराब नहीं करना चाहेंगे। इस श्रृंखला में गंभीर के रणनीतिक कौशल की असली परीक्षा भी होगीअभ्यास के दौरान स्लिप कॉर्डन की संरचना को देखते हुए करुण नायर की वापसी तय लगती है, जहां उन्हें पहली स्लिप में तैनात किया गया था, लेकिन एक और बल्लेबाजी स्थान है जिसको लेकर टीम प्रबंधन को काफी विचार विमर्श करना होगा। क्या गंभीर एक अतिरिक्त बल्लेबाज़ को खिलाएंगे और प्रतिभाशाली बी साई सुदर्शन को अपना पहला टेस्ट खेलने का मौका देंगे या फिर वह एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज़ की कमी की भरपाई के लिए नीतीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर को खिलाएंगे। स्पिन विभाग में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा में से किसी एक को खिलाने को लेकर टीम प्रबंधन का फैसला काफी दिलचस्प होगा। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में सफल हो सकते हैं लेकिन जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है। एक अन्य मुद्दा यह है कि क्या टी20 विशेषज्ञ अर्शदीप सिंह को परिस्थितियों के आधार पर तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में मौका दिया जाना चाहिए या फिर प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिलना चाहिए। एक और तेज गेंदबाज आकाशदीप हैं जो यहां की परिस्थितियों में बुमराह और मोहम्मद सिराज के आदर्श सहयोगी हो सकते हैं।

### भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इंग्लैंड की तुलना में मजबूत

जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाला भारतीय गेंदबाजी आक्रमण इंग्लैंड की तुलना में मजबूत नजर आता है जिससे दोनों टीमों की स्थिति बराबर लगती है। ऐसा तब है जबकि तेज गेंदबाज बुमराह केवल तीन टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध है। कोहली और रोहित की अनुपस्थिति के बावजूद भारत इंग्लैंड के गेंदबाजों को दबाव में ला सकता है। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के संन्यास लेने तथा कुछ अन्य गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण इंग्लैंड का आक्रमण कमजोर नजर आता है। क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर तथा कप्तान स्टोक्स का गेंदबाजी आक्रमण विपक्षी टीम में कोई खौफ पैदा नहीं करता।

### रूट की मौजूदगी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी मजबूत

टेस्ट क्रिकेट में 36 शतकों सहित 13,000 से अधिक रन बनाने वाले जो रूट की मौजूदगी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी कागजों पर भारत की तुलना में बेहतर नजर आती है। भारतीय टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल (58 टेस्ट, 3257 रन) हैं।

## इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

भारतीय टीम कल 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू करेगी। भारतीय अगले 45 दिनों में एक दिलचस्प कहानी गढ़ने के लिए प्रतिबद्ध होंगी क्योंकि भारत अभी तक इंग्लैंड में केवल तीन बार टेस्ट श्रृंखला जीत पाया है। भारत ने 1971 में अजीत वाडेकर, 1986 में कपिल देव और 2007 में राहुल द्रविड़ की अगुवाई में यह उपलब्धि हासिल की थी और 2007 के बाद से इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना सपना ही बना हुआ है। अब शुभमन गिल इस सूची में अपना नाम लिखवाने के लिए बेताब होंगे जो विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद आसान नहीं होने वाला है। सीरीज से पहले आइए जानते हैं इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ियों के बारे में -

**सचिन तेंदुलकर** – अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। तेंदुलकर ने अपने करियर का अंत 32 टेस्ट मैचों में 2535 रन के साथ किया। इस दौरान उन्होंने 7 शतक भी लगाए जिसमें 1990 में किशोरावस्था में बनाया गया उनका पहला टेस्ट शतक भी शामिल है।

**सुनील गावस्कर**– टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में 2483 रन बनाए। 1979 के इंग्लैंड दौरे पर गावस्कर ने 221 रनों की मैराथन पारी की बदौलत भारत के लिए लगभग चमत्कारिक जीत हासिल कर ली थी।

**विराट कोहली** –विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं, जिसमें 2016 में घरेलू सीरीज में दोहरा शतक भी शामिल है। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ 42.36 की औसत से 1991 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 235 रहा है।

**राहुल द्रविड़**– द वॉल कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ ने 37 पारियों में 1950 रन बनाए हैं और इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। द्रविड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ कई बार मेहमान टीम की पारी को संभाला जिसमें 1996 में उनका पहला टेस्ट भी शामिल है, जहां वह शतक (95) से चूक गए थे। इंग्लैंड के खिलाफ द्रविड़ की कई मैच बचाने वाली पारियों में से एक 2011 के विनाशकारी दौरे पर आई थी। द्रविड़ इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने वाले आखिरी कप्तान हैं, उन्होंने 2007 में यह दुर्लभ सफलता हासिल की थी।

**गुंडप्पा विश्वनाथ**– अनुभवी भारतीय बल्लेबाज गुंडप्पा विश्वनाथ 70 के दशक में भारतीय टीम की बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे और अब भी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। विश्वनाथ ने 37 टेस्ट मैचों में 37.60 की औसत से 1880 रन बनाए जिसमें 12 अर्धशतक और चार शतक शामिल हैं।

## सैमसोनोवा ने दो मैच प्वाइंट बचाकर पेगुला को हराया

**बर्लिन , एजेंसी**

लियुडमिला सैमसोनोवा ने दो मैच प्वाइंट बचाकर बुधवार को यहां तीसरी रैंकिंग की जेसिका पेगुला को 6-7 (8), 7-5, 7-6 (5) से हराकर बर्लिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में 20वीं रैंकिंग की खिलाड़ी सैमसोनोवा ने इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में तीन घंटे 21 मिनट तक चले मैच में गत विजेता के खिलाफ 18 ऐस लगाए। इससे पहले मंगलवार को नाओमी ओसाका को तीन सेटों में हराने वाली सैमसोनोवा ने पेगुला के खिलाफ निर्णायक सेट में 5-4 के स्कोर पर अपनी सिंवस पर दो मैच प्वाइंट बचाए। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका का क्वालीफायर रेबेका मासरोवा के खिलाफ मैच बीच में स्थगित कर दिया गया क्योंकि कोर्ट फिसलन भरा हो गया था। सबालेंका ने पहला सेट 6-2 से जीता था जिसके बाद खेल रोक दिया गया। इससे पहले ओन्स जाबेउर ने दूसरे दौर में चौथी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 6-1, 6-3 से हराया था। पाओलिनी पिछले साल विंबलडन में उपविजेता रही थीं। जाबेउर 2022 और 2023 में विंबलडन फाइनलिस्ट हैं।

## 19 साल की दिव्या देशमुख ने वर्ल्ड नंबर-1 को हराया, पीएम ने दी बधाई

**नई दिल्ली , एजेंसी**

19 साल की दिव्या देशमुख ने दिव्या देशमुख ने दुनिया की नंबर-1 चेस प्लेयर हौ यिफान को हराया। जूनियर कैटेगरी की वर्ल्ड नंबर-1 दिव्या ने चीन की हौ यिफान को हराते हुए वर्ल्ड टीम रैपिड और ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप में 3 मेडल जीते। इनमें रैपिडचेस का सिल्वर और ब्लिट्ज का ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। दिव्या की इस अचीवमेंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल प्लेटफार्म पर लिखा-लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के दूसरे चरण के ब्लिट्ज सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई। उनकी सफलता उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। यह कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। यिफान को दूसरे चरण में हराया लंदन में समाप्त हुए फिडी वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चेस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में नागपुर की दिव्या का सामना यिफान से हुआ। यह मुकाबला शतरंज के सबसे तेज प्रारूप में था, जो हाल ही में वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश के बीच खेले गए क्लासिकल गेम की तरह रोमांचक था। दिव्या ने हेम्साइमाइंड चेस क्लब के लिए खेलीं यिफान ने हफ चेस टीम का प्रतिनिधित्व किया, जबकि दिव्या हेक्सामाइंड चेस क्लब के लिए खेलीं। पहले चरण में यिफान ने दिव्या को हरा दिया था, लेकिन दूसरे चरण में दिव्या ने शानदार वापसी की।

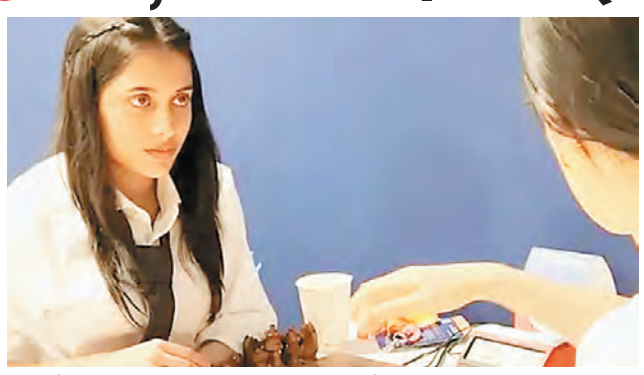

**मनोरंजन**

**बॉलीवुड का कोना**

## अनिल कपूर झूठा नंबर 1 आखिर क्यों बोले फिल्ममेकर पहलाज निहलानी?

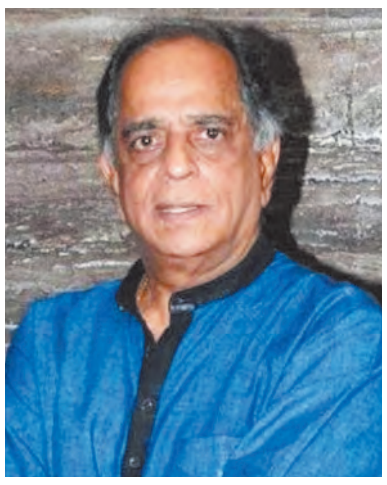

साल 1994 में आई अनिल कपूर की फिल्म अंदाज का एक गाना काफी वायरल हुआ था जो लोगों को उतना खास पसंद नहीं आया था। फिल्म का गाना खड़ा है, खड़ा है अपने डबल मीनिंग लिरिक्स के चलते काफी ट्रोल हुआ। खुद अनिल कपूर ने भी कहा था कि उन्हें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ये गाना डबल मीनिंग वाला होगा। अब फिल्म के प्रोड्यूसर पहलाज निहलानी ने एक्टर की बातों को झूठ बताया है।

प्रोड्यूसर पहलाज निहलानी ने हाल ही में अपने इंटरव्यू के दौरान फिल्म अंदाज के विवादित गाने खड़ा है, खड़ा है और मैं हूं मालगाड़ी पर रिएक्ट किया है। उन्होंने अनिल कपूर को झूठा बताते हुए कहा कि इस फिल्म के गाने एक्टर को पहले से मालूम थे। विक्की लालवानी संग बातचीत में पहलाज निहलानी ने कहा, मैंने अनिल कपूर को बोलते हुए सुना था कि उन्हें गाना पसंद नहीं आया, मैंने उन्हें कहा कि फिल्म छोड़ दो।

मैंने उन्हें इसके लिए सुनाया भी था। जबकि वो ये फिल्म करने के लिए तरस रहे थे। करिश्मा कपूर ने खुद सामने से फिल्म में शामिल होने की मांग की थी। लोग मेरे साथ काम करने के लिए तरसते थे और अनिल कपूर उनमें से एक थे। उन्होंने अपनी लाइफ में कितनी सारी बी ग्रेड फिल्में की हैं। वो ये कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने अंदाज फिल्म सिर्फ पैसों के लिए की थी? ये सबकुछ झूठ है। वो झूठा नंबर 1 है। ऐसी कोई बात नहीं हुई थी।

## बच्चों को कोई हाथ तो लगाए..., ट्रोल्स को काजोल का जवाब, बताया कैसे रखती हैं ख्याल

एक्ट्रेस काजोल, जल्द ही फिल्म मां में नजर आने वाली हैं। थियटर्स में ये 27 जून को रिलीज हो रही है। ये एक हॉरर फिल्म है। फिल्म के प्रमोशन के लिए काजोल कई मीडिया हाउसेस में जा रही हैं। सवालों के जवाब दे रही हैं। हाल ही मेंबातचीत में काजोल ने बच्चों (निसा और युग) पर होने वाली ट्रोलिंग पर बात की। काजोल, एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक मां भी हैं। ऐसे में स्टार किड्स का सोशल मीडिया पर ट्रोल होना उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं। हालांकि, काजोल ने कहा कि क्योंकि वो पब्लिक फिगर हैं, ऐसे में ट्रोलिंग आम बात है। वो अपने बच्चों को इसे फेस करना सिखाती हैं। काजोल ने कहा- बहुत सारे लोग बहुत सारी बातें करते हैं। हम लोग कहते हैं कि हमें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन लोग कुछ शब्द ऐसे बोल देते हैं कि सच में हम लोगों को उनके शब्दों से फर्क पड़ जाता है।

काजोल के लिए स्पॉटलाइट में पेरेंटिंग करना मतलब सॉलिड इमोशनल एंकर बनना है। काजोल ने कहा- आप अपने बच्चों से ट्रोल्स के बारे में लगातार बात करते रहे। मैं उनसे कहती हूं कि अगर पांच लोग बकवास बातें कर रहे हैं तो 500 लोग उनके बारे में अच्छा भी तो बोल रहे हैं। तुम लोगों को इतना प्यार मिल रहा है, ये एक ब्लेसिंग है। पर कई बारी ट्रोलिंग के बीच प्यार को देखना इंसान के लिए मुश्किल हो जाता है। अगर आप ऑनलाइन लोगों को देखें तो 99 फीसदी लोग आपको ब्लेस यू लिखते हैं। निसा के लिए कहते हैं कि उसकी मुस्कान मुझपर गई है। अगर मान लो 5 फीसदी लोग कुछ खराब भी लिख रहे हैं तो हमें उनपर ध्यान ही नहीं देना है। पब्लिक फिगर होने का एक नुकसान सिर्फ यही होता है कि हमारे बच्चों को भी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। अगर मेरे बच्चे मेरे से एक चीज ले सकें तो मैं उम्मीद करती हूं कि वो मेरे अंदर का फोर्स और विल लें। वो जानते हैं कि उनकी मां उनके पीछे खड़ी है। शायद कई बार उनके सामने भी खड़ी है, फिर चाहे कुछ भी उनके साथ हो। और मैं सिर्फ इतना जानती हूं कि कोई मेरे बच्चों को हाथ नहीं लगा सकता।

**मेट्रो बाजार**

## परीक्षण में 91 प्रतिशत से अधिक खिलौने गुणवत्ता मानदंडों के अनुरूप पाए गए

मुंबई । भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने जनवरी, 2021 में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कार्यान्वयन के बाद से खिलौनों के 17,860 नमूनों में से 91 प्रतिशत को इस आदेश के अनुरूप पाया है। यह घरेलू बाजार में गुणवत्ता वाले उत्पादों की उपलब्धता को दर्शाता है। बीआईएस, मुंबई के निदेशक और प्रमुख अनिल कापड़ी ने कहा कि ब्यूरो ने जनवरी, 2021 में खिलौना आदेश के कार्यान्वयन के बाद व्यापक प्रवर्तन गतिविधियां शुरू की हैं। केंद्र सरकार में उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''बाजार में उपलब्ध प्रमाणित खिलौनों की गुणवत्ता की जांच रखने के लिए बीआईएस लगातार परीक्षण को लिए गए नमूनों की संख्या में वृद्धि कर रहा है। वर्ष 2021 से डेटा निगरानी गतिविधियों में वृद्धि का रुझान है। अधिकारी ने कहा, ''इसके अलावा, यह स्पष्ट है कि इन नमूनों का बढ़ता अनुपात भारतीय मानकों के अनुरूप पाया गया है, जो बाजार में उपलब्ध खिलौनों की समग्र गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है।

## हाई लेवल का रिकार्ड बनाने के बाद फिसले सोने-चांदी के भाव

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में एक बार फिर गिरावट जारी है। हाई लेवल बनाने के बाद दोनों कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट आई है। गुरुवार (19 जून) को एमसी पर सोने की कीमत 0.28 फीसदी लुढ़क कर 99,255 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। चांदी भी रिकॉर्ड लेवल से फिसलकर 1,08,303 रुपए प्रति किग्रा पर है। इंटरनेशनल मार्केट में भी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है।

इजरायल-ईरान संघर्ष के छठे दिन भी जारी रहने के बीच निवेशकों का सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों में झुकाव बढ़ा है। इससे बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,000 रुपए बढ़कर 1,08,200 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि सोना 540 रुपए बढ़कर एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से ऊपर रहा। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। सराफा संघ के अनुसार, मंगलवार को पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,07,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के एवीपी (जिंस एवं मुद्रा) मनीष शर्मा ने कहा, बाजार प्रतिभागी निकट भविष्य में सतर्कतापूर्वक तेजी का रुख अपनाए हुए हैं, क्योंकि उन्हें आज रात होने वाली अमेरिकी एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक से और अधिक संकेतों का इंतजार है।

# युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**भोपाल।** अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी और सरकारी स्कूल के पास रहने वाले युवक ने फांसी लगा ली। उसकी लाश

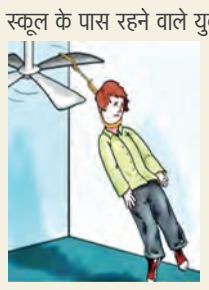

गुरुवार शाम परिजन ने फांसी के फंदे पर लटकी देखी थी। मौके पर पहुंची पुलिस को उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दिलीप नाथ उर्फ शनि नाथ पिता राजू राधेश्याम (26) सब्जी मंडी और सरकारी स्कूल के पास अशोका गार्डन में रहता?था। अशोका गार्डन थाने की गुंडा लिस्ट में था मृतक दिलीप बेरोजगार था और अशोका गार्डन थाने की गुंडा लिस्ट में उसका नाम था। एसआई पवन सेन ने बताया कि दिलीप पर करीब डेढ़ दर्जन अपराध पंजीबद्ध है। उसने दो मकान है। एक मकान में वह अकेला रहता था। गुरुवार शाम उसने अपने मकान में फांसी लगा ली। शाम करीब चार बजे उसका भाई मकान पर पहुंचा था। उसने दिलीप को फांसी के फंदे पर लटका देखा और उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया था। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने चेक करने के बाद दिलीप को मृत घोषित कर दिया। पूर्व में भी कर चुका है प्रयास परिजन ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि दिलीप पहले परिवार के साथ रहता था। कुछ समय वह दूसरे मकान में अकेला रह रहा था। वह शराब पीने का आदी था। पूर्व में दो बार आत्महत्या के प्रयास कर चुका है। परिजन साथ रहते थे तो उसे बचा लिया जाता था। गुरुवार को वह अकेला था और उसने फांसी लगा ली।

# पति की प्रताडना से तंग आकर नवविवाहिता ने लगाई फांसी

**भोपाल।** बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता दौलतपुरा में नवविवाहिता की फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस

ने घटना के करीब एक माह बाद पति के खिलाफ प्रताड़ित करने व आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी किसी लडकी से बात करता था। विरोध करने पर वह पत्नी को बेरहमी से पीटता था। मामले की जांच एसडीओपी ने की है। पुलिस के मुताबिक बैरसिया निवासी क्रांति प्रजापति (26) का विवाह कोकता नंबर एक दौलतपुरा में रहने वाले छोटेलाल प्रजापति से हुआ था। छोटेलाल प्राइवेट काम करता है। शादी के कुछ दिनों बाद से ही वह किसी लडकी से बात करने लगा। यह बात पत्नी को पता चली तो उसने विरोध करना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। किसी लडकी से बात करता था, विरोध, करने पर पत्नी को करता था प्रताड़ित विवाद के दौरान छोटेलाल शराब के नशे में क्रांति प्रजापति से जमकर मारपीट करता था। पति की प्रताडना और मारपीट से तंग आकर विगत 23 मई को क्रांति प्रजापति ने अपनी ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी छोटेलाल प्रजापति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

# साइट मैनेजर के घर के पास रखे मेट्रो के पार्टस चुरा ले गए चोर

**भोपाल।** ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित अभिरुचि परिसर ओल्ड सुभाष नगर इलाके में साइट मैनेजर के घर के सामने रखी मेट्रो की

एसेसरीज अज्ञात चोर चुरा ले गए। चोरी गए मेट्रो के पार्टस की कीमत 18 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जिला वैशाली, बिहार निवासी सूरज कुमार सिंह (39) यहां अभिरुचि परिसर ओल्ड सुभाष नगर में रहते हैं और जेएमडी रेल टेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नोएडा गौतम बुद्ध नगर में साइट मैनेजर के पर पर पदस्थ हैं।सुभाष नगर में वारदात उनकी कंपनी का काम बीते एक साल से भोपाल मेट्रो सुभाष नगर की साइट पर चल रहा है। उनकी कंपनी की आईआरएस प्वाइंट मशीन ऐसेसरीज उनके घर बंद कमरे व बरामदे में रखी हुई है। विगत 17 जून की सुबह साढ़े 10 बजे सूरज कुमार और उनके साथी साइट पर चले गए थे। शाम साढ़े पांच बजे लौटे तो बरामदे में पास ही स्ट्रेचर बार प्वाइंट मशीन पड़ी हुई मिली। चोरी की सूचना उन्हें राहुल शर्मा ने दी। अगले दिन 18 जून को वह अभिरुचि परिसर स्थित मकान पर आए और ऐसेसरीज का रिकार्ड चेक किया तो उसमें से स्ट्रेचर बार दो नग, स्टेडर्ड लॉक चार नग, फिशटेल चार नग, डीसीएस पोल स्पोर्ट रॉड एक नग चोरी होना पाया गया। कोई अज्ञात चोर घर के सामने बरामद से उक्त सामान चोरी कर ले गया। चोरी गये सामान पर परमानेंट मार्कर से कंपनी का नाम और फरियादी के हस्ताक्षर किए हुए हैं।

## ढाई करोड़ में पत्नी-बेटे के नाम मकान करने का दिया झांसा, अलग रहते हैं पति-पत्नी

# जालसाजी: पत्नी व ससुर को अवैध मकान बेचकर लगाया 59 लाख रुपए का चूना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**शाहजहांनाबाद पुलिस ने एक महिला डॉक्टर की शिकायत पर पति व ससुर के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आपसी विवाद के चलते पत्नी अपने बेटे के सज्ञथ मायके में रहती हैं। पति व ससुर ने अवैध मकान बेचने का झांसा देकर पत्नी से 59 लाख रुपए हड़प लिए। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।**

पुलिस के मुताबिक ब्राइट कॉलोनी ईदगाह हिल्स निवासी डॉक्टर तरनदीप कौर पत्नी पवनीत सिंह साहनी (49) बीते करीब दस माह से अपने पिता के घर साहनी कुटी गुरुनानक नगर गुरुद्वारा रोड तेलीबांदा छत्तीसगढ़ में रह रही हैं।

उन्होंने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि पति पवनीत सिंह और ससुर राजेन्द्र सिंह साहनी उनके साथ गाली-गलौज करते थे और मारपीट पर उतारू हो जाते थे। परेशान होकर वह भोपाल में ही अलग किराए से रहने लगी। अपने और अपने बच्चे की पढ़ाई का खर्चा वह कोचिंग इंस्टीट्यूट और जनरल स्टोर की दुकान से चला रही थी।

पति और ससुर वहां आकर भी परेशान करने लगे। उनकी वजह से तरनदीप कौर बीमार हो गईं। तब पिता अपनी बेटी और नवासे को अपने साथ रायपुर छत्तीसगढ़ ले गए। उन्होंने बेटी का इलाज कराया। तभी से तरनदीप और उनका बेटा वहीं पर रह रहे हैं। इस बीच पवनीत सिंह और राजेन्द्र सिंह ने तरनदीप के पिता को झांसे में लेकर कहा कि हम अपना ब्राइट कॉलोनी ईदगाह हिल्स वाला घर तरनदीप कौर और उसके बेटे तिषय सिंह के नाम कर देंगे। इसके बदले आप हमें दो करोड़ 50 लाख रुपए दे दो।

### पेपर चेक करने पर अवैध निकला मकान

तरनदीप के पिता ने कहा कि मेरे पास अभी एक साथ इतनी बड़ी रकम नहीं है। इस पर राजेन्द्र सिंह और पवनीत ने कहा कि आप धीरे-धीरे करके दो करोड़ 50 लाख रुपए दे देना। जिस दिन हमें पूरी रकम मिल जाएगी, हम तरनदीप और उसके बेटे के नामपर घर की रजिस्ट्री करवा देंगे। इसके बाद साल 2019 से साल 2022 तक पवनीत सिंह के बैंक खाते पर और राजेन्द्र सिंह के बैंक खाते पर चेक और नगद मिलाकर करीब 59 लाख रुपए दिए। घर की रजिस्ट्री कराने के लिए पेपर सर्च कराए तो पता चला कि राजेन्द्र सिंह और पवनीत सिंह ने अपने अवैध मकान को हमें इतने महंगे सौदे में धोखाधड़ी से बेचकर रुपए हड़पने के इरादे से सौदा किया है। सच्चाई सामने आते ही फरियादिया और उनके पिता अपनी रकम वापस लौटाने के लिए कहते रहे लेकिन पवनीत और राजेन्द्र सिंह ने पैसे नहीं लौटाए।

# पुलिस देख रॉंग साइड भागा कार चालक, सामने आ रहा था सीएम का काफिला !

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**वीआईपी रोड से गुजर रहे मुख्यमंत्री के काफिले में तेज रफ्तार कार ने सेंध लगा दी। पुलिस व्यवस्था को देख कार चालक को लगा कि चैकिंग की जा रही है। नतीजतन उसने रॉंग साइड कार दौड़ाना शुरू कर दी। हालांकि सीएम काफिले से टकराने से पहले ही पायलट वाहन ने उसे बीच में ही रोक लिया। जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात करीब साढ़े 12 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने सुरक्षा दस्ते के साथ स्टेट हैंगर से मुख्यमंत्री निवास लौट रहे थे।**

**व्हीआईपी रोड पर सीएम कारकेड में सेंध, पायलट वाहन ने पहले रोका, अन्यथा हो जाता हादसा**

जब उनका काफिला लालघाटी से होते हुए रेतघाट की ओर आ रहा था, तभी राजाभोज की प्रतिमा के सामने रॉंग साइड से नीले रंग की बलेनो कार एमपी 04 जेडए 3262 अचानक आकर रुक गई। मुख्यमंत्री के काफिले की पायलट वाहन ने उस कार को रोका और साइड में खड़ा कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर कार चालक गुना निवासी मिलन तिवारी को हिरासत में लेकर कार को जब्त किया।

पुलिस ने मामले में कार चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट समेत बीएनएस की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

### पुलिस चैकिंग के डर से रॉंग साइड भागा

आरोपी वाहन चालक मिलन तिवारी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयार कर रहा है। इसी सिलसिले में कोचिंग के बारे में जानकारी जुटाने के लिए अपने दोस्त शुभम धाकड़ निवासी गुना के साथ कार से भोपाल आया था।

रेतघाट तिराहे पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात पुलिस को देखकर घबरा गया और बचने के लिए रॉंग साइड से कार लेकर भाग निकला। उसे पता नहीं था कि उक्त मार्ग से मुख्यमंत्री का काफिला गुजरने वाला है।

# कुत्ते को कुचलने की घटना के बाद पशु प्रेमी कार्रवाई पर अड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा के शहीद नगर में कार से कुत्ते को कुचलने के मामले में पशु प्रेमी कार्रवाई की मांग को लेकर अड़ गये हैं। थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने पहले बताया था कि एक महिला ने कार्रवाई की मांग को लेकर आवेदन दिया था, बाद में महिला ने शिकायत वापस ले ली। फिर पीपुल्स फॉर एनीमल नाम का एनजीओ कुत्ते को कुचलने वाली महिला पर कार्रवाई की मांग को लेकर आगे आया है। एनजीओ की ओर से दिए आवेदन में पुलिस को किन धाराओं में मामला दर्ज करना चाहिए यह भी बताया गया है। हालांकि कोहेफिजा पुलिस पूरी घटना को हादसा बता रही है।जबकि पीपुल्स फॉर एनिमल एनजीओ की स्वाति गौरव का कहना है कि हमने कोहेफिजा थाने प्रभारी को शिकायती आवेदन दिया है। इसमें बताया कि कार चला रही महिला ने जानकर कुत्ते को कुचला है। इसकी पुष्टि घटना के सीसीटीवी फुटेज में भी हो रही है। लिहाजा आरोपी महिला पर पशुक्रूरता अधिनियम सहित लापरवाही से वाहन चलाने की धाराओं में केस दर्ज करना चाहिए। एनजीओ ने कहा सीसीटीवी फुटेज को एहम साक्ष्यों के तौर पर रखना चाहिए और कुत्ते को कुचलने वाली कार को जब्त कर चालक की गिरफ्तारी करना चाहिए। कार्रवाई नहीं करने की हालत में आगे वैधानिक कार्रवाई के लिए आला अधिकारियों से लेकर कोर्ट तक जाएंगे।

**मेट्रो एंकर** सेकंड स्टॉप व केलादेवी मंदिर के पास पार्किंग व्यवस्था

# योग दिवस : अटल पथ व आसपास बदला रहेगा ट्रैफिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शनिवार 21 जून को अटल पथ पर होने वाले कार्यक्रम को देखते हुए सुबह छह बजे से जरूरत के हिसाब से समय तक यातायात और पार्किंग व्यवस्था की योजना तैयार की गई है। इस दौरान अटल पथ की ओर आने वाले वाहन परिवर्तित मार्ग से ही आ-जा सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान रोशनपुरा चौराहा, अपेक्स बैंक तिराहा, माता मंदिर मार्ग पर टैफिक का दबाव बना रहेगा। इस मार्ग पर लोक परिवहन अथवा अनुमति प्राप्त भारी वाहन या अन्य भारी वाहन का आवागमन परवर्तित मार्ग से संचालित होगा।

**यह रहेंगे वैकल्पिक मार्ग**

- ऐसे वाहन रोशनपुरा चौराहा, रंगमहल चौराहा, जवाहर चौक, भारत माता चौराहा मार्ग का उपयोग कर आवागमन कर सकेंगे।
- अपेक्स बैक से लिंक रोड क्रमांक-एक, तरुण पुष्कर, सेकंड स्टॉप, माता मंदिर मार्ग का उपयोग कर आवागमन कर सकेंगे।

ऐसी रहेगी पार्किंग व्यवस्था

**कार्यक्रम में शामिल होने वाले वाहन के लिए पार्किंग-**

- कार्यक्रम में शामिल होने वाले आला अधिकारियों के वाहन अटलपथ प्लेटिनम प्लाजा चौराहा पर ड्रॉप कर पार्किंग स्थल सेकंड स्टॉप की ओर मार्ग के एक ओर खड़े किए जाएंगे।
- कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाली बस अटल पथ पर केला देवी मंदिर के बायीं ओर पार्क की जा सकेगी।
- कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले चारपहिया वाहन अटल पथ पर केला देवी मंदिर के दायीं ओर पार्क किए जा सकेंगे।

# बाइक सवार ने सड़क पार कर समय रहे युवक को मारी टक्कर, मौत

**परिजन का आरोप हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर ने की लापरवाही**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़कथाना क्षेत्र स्थित गांव तूमड़ा जोड़ पर तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मार दी। हादसा बुधवार सुबह का बताया जा रहा है। बाइक की टक्कर लगने से युवक को गंभीर चोट आईथी। परिजन उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान कल सुबह उसकी मौत हो गई। परिजन ने आरोप लगाया है कि हादसे के बाद वह हमीदिया अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टर ने समय पर इलाज नहीं दिया। गंभीर चोट होने और इलाज समय पर नहीं होने के कारण उनकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार दीपक कुमार गिरी पिता गुलाब गिरी (22) ग्राम फंदा, खजूरी सड़क में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उसके पिता गुलाब गिरी (50) बुधवार सुबह गांव चोड़ी सुबह 5 बजे पैदल फंदा आ रहे थे। मामा राजू गिरी और जगदीश मेवाड़ा कॉल कर बताया कि ग्राम तूमड़ा जोड़ के पास पिता गुलाब गिरी का एक्सीडेन्ट हो गया है। सीहोर की तरफ जा रहे एक युवक ने अपनी बाइक उन्हें टक्कर मार दी है। दीपक मौके पर पहुंचा तो पता चला कि रिश्तेदारों ने पिता को एंबुलेस की मदद से अस्पताल में भर्ती करा दिया है। वह सीधे हमीदिया अस्पताल पहुंचा वहां पर कोई इलाज नही हो रहा था। पिताजी को चेहरे, दोनों हाथ व दोनों पैर में गंभीर चोंटे थीं। इलाज नहीं होने के कारण दीपक और रिश्तेदार गुलाब गिरी को लेकर भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022